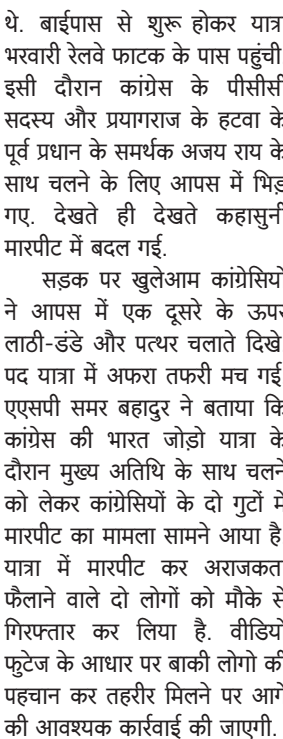


प्रधानमंत्री ने किया समृद्धि महामार्ग का उद्घाटन



कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह प्रादेशिक स्तर पर स्थानीय कांग्रेस नेता अपने-अपने जिले में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। जिले के भवारी नगर पालिका के रोही बाईपास से भवारी कस्बा होते हुए कांग्रेस नेताओं ने पद यात्रा निकाली थी। यात्रा का नेतृत्व कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अजय राय कर रहे

बताया जा रहा है कि पार्टी में
सी सदस्य और पूर्व प्रधान के दो
पद यात्रा के दौरान प्रदेश प्रभारी
उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में
कांग्रेस की प्रादेशिक भारत जोड़ो
यात्रा में जमकर लाठी-डंडे और ईट
पत्थर चले

तीन हवाई अड्डों के लिए डिजी यात्रा का शुभारंभ

नई दिल्ली : केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के तीन हवाई अड्डों- नई दिल्ली, वाराणसी और बेंगलुरु के लिए डिजी यात्रा का शुभारंभ किया। डिजी यात्रा की परिकल्पना हवाई अड्डों पर चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी (एफआरटी) पर आधारित यात्रियों के संपर्क रहित और निर्बाध आवागमन की सुविधा प्रदान करने के लिए की गई है।

मंत्री महोदय ने नागरिक विमानन मंत्रालय के अंतर्गत डिजी यात्रा फाउंडेशन द्वारा परिकल्पित डिजी यात्रा परियोजना के बारे में बोलते हुए कहा कि इस परियोजना में एक ऐसे यात्री की परिकल्पना की गई है जो आज हवाई अड्डों पर विभिन्न चेक पॉइंट्स से कागज रहित और संपर्क रहित आवागमन के लिए अपनी पहचान साबित करने के लिए चेहरे की विशेषताओं का उपयोग करता है और जिसे बोर्डिंग पास से जोड़ा जा सकता है। इस सुविधा का उपयोग करने के लिए, आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापन और एक स्व-छवि कैप्चर का उपयोग करके डिजी यात्रा ऐप पर एक बार पंजीकरण आवश्यक है। इस परियोजना में यात्रियों की सुविधा में सुधार और यात्रा में आसानी के अद्भुत फायदे हैं।

नागरिक विमानन मंत्री महोदय ने परियोजना की गोपनीयता की विशेषताओं के बारे में कहा कि गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य सूचना (पीआईआई) का कोई केंद्रीय भंडारण नहीं है। उन्होंने कहा यात्री की आईडी और यात्रा विवरण यात्री के स्मार्टफोन में ही सुरक्षित वॉलेट में जमा हो जाते हैं। श्री सिंधिया ने कहा कि अपलोड किया गया डेटा ब्लॉकचेन

सीआईएफ के लिए एप्लिकेशन लॉन्च

अटल नवाचार मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने आज (१ दिसंबर २०२२) को कम्प्युनिटी इनोवेटर फेलोशिप (सीआईएफ) के लिए एप्लिकेशन लॉन्च करने की घोषणा की। अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग की यूननडीपी इंडिया की सहयोग वाली यह पहल इच्छुक सामुदायिक नवप्रवर्तकों को बुनियादी सहायता उपलब्ध करने और उनके ज्ञाननिर्माण में मदद करने की उद्यमिता यात्रा के लिए आवश्यक है। वर्तमान में एआईएम के कार्यक्रम अटल समुदाय नवाचार केंद्र (एसीआईसी) में २२ सामुदायिक नवप्रवर्तक फैलो को सहायता प्रदान की जा रही है।

कम्प्युनिटी इनोवेटर फेलो एक उद्यमशील मानसिकता वाला व्यक्ति होता है, जिसके पास अपने उद्यम के माध्यम से एक सामुदायिक चुनौतियों को हल करने का अपना विचार होता है। फैलो का यात्रा को ५ चरणों में गठन किया गया है और आवेदक इस बारे में जानने के लिए <https://aim.gov.in/acic-fellowship.php> लिंक पर जा सकते हैं।

तकनीक का उपयोग करेगा और उपयोग के २४ घंटे के भीतर सर्वर से सभी डेटा को हटा दिया जाएगा।

भारत डिजी यात्रा के साथ अब लंदन में हीथ्रो और संयुक्त राज्य अमेरिका में अटलांटा जैसे विश्व स्तरीय हवाई अड्डों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। नागरिक विमानन मंत्री महोदय ने डिजी यात्रा के लाभों पर प्रकाश डालते हुए दुबई हवाई अड्डे का उदाहरण दिया जहां इस प्रौद्योगिकी के कारण यात्रियों के समय में ४० प्रतिशत तक की बचत हुई है। इसी तरह की प्रौद्योगिकी ने अटलांटा हवाई अड्डे पर नौ मिनट प्रति विमान समय की बचत की। श्री सिंधिया ने यह भी कहा कि अन्य हवाई अड्डों की तुलना में, भारतीय प्रणाली को प्रवेश से निकास तक और अधिक निर्बाध बनाया गया है और इसलिए यह दुनिया भर में सबसे कुशल प्रणालियों में से एक होगी।

पहले चरण में डिजी यात्रा, ७ हवाई अड्डों पर शुरू की जाएगी। लेकिन आरंभ में इसे ३ हवाई अड्डों यानी दिल्ली, बेंगलुरु और वाराणसी

में शुरू किया गया है, इसके बाद मार्च २०२३ तक हैदराबाद, कोलकाता, पुणे और विजयवाड़ा जैसे ४ हवाई अड्डों पर इसकी शुरुआत की जाएगी। बाद में इसे देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर लागू किया जाएगा। यह सेवा फिलहाल घरेलू उड़ानों के यात्रियों के लिए ही शुरू की जा रही है। डिजी यात्रा ऐप आईओएस और एंड्रॉइड दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

स्वैच्छिक आधार पर इसका उपयोग किया जाएगा। भारत डिजी यात्रा के साथ हवाई अड्डों पर एक आसान, परेशानी मुक्त और स्वास्थ्य खतरों से मुक्त प्रक्रिया के लिए एक नया वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

नए अनुप्रयोगों के लॉन्च के अवसर पर एआईएम के मिशन निदेशक डॉ. चिंतन वैष्णव ने इस लॉन्च पर कहा कि सूक्ष्म स्तर पर, स्टार्ट-अप कांति भारत के टिपर २ और टिपर ३ शहरों तक पहुंच गई है जिससे क्षेत्रों में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा मिला है।

स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय सेवाओं जैसे मुद्दों से संबंधित स्थानीय समस्याओं को

बड़े पैमाने पर हल करना अटल नवाचार मिशन की प्रमुख प्रेरणा शक्ति है, जो नवप्रवर्तकों को स्थानीय समुदाय की समस्याओं का जमीनी स्तर पर समाधान करने में सशक्त बनाता है। रणनीतिक स्थानों के साथ अटल समुदाय नवाचार केंद्र जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को अपने संपूर्ण करिपर विकल्प के रूप में उद्यमिता को आगे बढ़ाने की बदलाव यात्रा से होकर गुजर रहे हैं। फेलोशिप के लिए लॉन्च किये गए इन अनुप्रयोगों के साथ साथ हम आवेदकों का समुदाय में परिवर्तन लाने की यात्रा का अनुभव हासिल करने का आह्वान करते हैं।

यह एक साल का गहन फेलोशिप कार्यक्रम है, जिसमें एक महत्वाकांक्षी सामुदायिक नवप्रवर्तक अपनी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किये बिना आवेदन कर सकता है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसा अनुकूल माहौल बनाना है जहां ज्ञान, सलाह, सामुदायिक तन्मयता और समावेशन से पर्याप्त बुनियादी ढांचे और वित्त पोषण के माध्यम से समृद्ध हुआ जा सके। इस फेलोशिप के दौरान, प्रत्येक फैलो की अटल समुदाय नवाचार केंद्र में मेजबानी की जाएगी और वह अपने विचार पर कार्य करते हुए एसडीजी जागरूकता, उद्यमशीलता कौशल और जीवन कौशल प्राप्त करेंगे।

एआईएम देश भर में अटल समुदाय नवाचार केंद्र (एसीआईसी) स्थापित कर रहा है। वर्तमान में १४ ऐसे केंद्र हैं, जो ९ राज्यों में फैले हुए हैं। निकट भविष्य में ३६ और केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं जिन्हें मिलाकर, यह संख्या ५० एसीआईसी हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने किया समृद्धि महामार्ग का उद्घाटन



(शेष पृष्ठ १ से)
महाराष्ट्र के आर्थिक विकास को प्रमुखता से बढ़ावा प्रदान करने में एक परिवर्तन करने वाला सिद्ध होगा।

वंदे भारत एक्सप्रेस
प्रधानमंत्री ने नागपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर १ से नागपुर और बिलासपुर को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बों का निरीक्षण किया और ऑनबोर्ड सुविधाओं का जायजा लिया। श्री मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस के लोकोमोटिव इंजन के नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण किया और नागपुर एवं अजंजी रेलवे स्टेशनों की विकास योजनाओं का भी जायजा लिया। इससे नागपुर से बिलासपुर की यात्रा में लगने वाला समय ७-८ घंटे से घटकर ५ घंटे ३० मिनट हो जाएगा।

ट्रेन की शुरुआत से इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और यात्रा का एक आरामदायक और तेज माध्यम उपलब्ध होगा। नागपुर से बिलासपुर की यात्रा में लगने वाला समय घटकर ५ घंटे ३० मिनट हो जाएगा। यह देश में शुरू की जाने वाली छठी वंदे भारत ट्रेन होगी और पहले की तुलना में उन्नत है, जो बहुत हल्की है और कम अवधि में उच्च गति तक पहुंचने में सक्षम है। वंदे भारत २.० अधिक उन्नत और बेहतर सुविधाओं से लैस है। यह केवल ५२ सेकंड में ० से १०० किलोमीटर प्रति घंटे की गति और १८० किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति तक पहुंच सकती है। पिछली वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन ४३० टन होता था, जबकि इस उन्नत वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन ३१२ टन होगा। इसमें वाई-फाई कंटेनर ऑन डिमांड सुविधा भी होगी। यात्रियों को सूचना प्रदान करने एवं उनके मनोरंजन के लिए प्रत्येक कोच में ३२ स्क्रीन लगी हैं, जबकि पिछली वंदे भारत एक्सप्रेस में २४ की स्क्रीन लगी थी। वंदे भारत एक्सप्रेस भी पर्यावरण के अनुकूल होगी, क्योंकि इस १५ प्रतिशत अधिक ऊर्जा की बचत करेगा। ट्रैक्शन मोटर की धूल रहित स्वच्छ एयर कूलिंग के साथ, यात्रा अधिक आरामदायक हो जाएगी। पहले केवल एक्जीक्यूटिव श्रेणी के यात्रियों को दी जाने वाली साइड रिक्लाइनर सीट की सुविधा अब सभी श्रेणियों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी।



समृद्धि महामार्ग का उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ढोल बजाने से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी खुद को रोक नहीं पाए

मोर्शी के जंगल में शिकारियों की घुसपैठ

मांस और मोटरसाइकिल बरामद

बैतूल : मोर्शी रेंज के जंगल में शिकारियों की घुसपैठ का मामला सामने आया है। रविवार को शिकारियों की घुसपैठ की सूचना के बाद रेंज के रेस्टाफ ने जंगल क्षेत्र में घेराबंदी कर शांति शिकारियों की धरपकड़ की है। मौके से शिकार किए गए सुअर और मोटर साइकिल बरामद की गई। जब्ती के आधार पर शिकारियों के खिलाफ विभागीय केस दर्ज किया गया है।

दक्षिण बैतूल (सा.) वनमंडल के वनमंडलधिकारी विजयानन्तम टी.आर. ने बताया कि रविवार को वन परिक्षेत्र आठनेर (मुख्यालय मोर्शी) के अंतर्गत दो व्यक्तियों द्वारा जंगली सुअर का अवैध शिकार किए जाने की मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी। मोटर साइकिल पर परिवहन करने की सूचना मिलने पर वनचौकी हीरादेही के कर्मचारियों के दो दल बनाकर हीरादेही से आठनेर मार्ग पर

निगरानी की गई। दोपहर लगभग १:२० बजे वनोपज बेरिपर के नीचे से मोटर साइकिल पर शिकारी दो बोरी बांधकर ले जाते हुए दिखे। जिनका वनचौकी वाहन से १.५ किलोमीटर तक पीछा करने के बाद आठनेर मुख्य मार्ग पर उन्हें रोककर बोरी को चेक किया एवं पूछताछ करने पर उनके द्वारा जंगली सुअर का मांस होना बताया गया। तत्काल दोनों आरोपी उम्र ४१ वर्ष एवं उम्र ४७ वर्ष तहसील भैसदेही जिला बैतूल को गिरफ्तार कर वनचौकी हीरादेही लाया गया। मौका स्थल पर लगभग ३० किलोग्राम जंगली सुअर का मांस तथा मोटर साइकिल एमएच २७-२११९७ जप्त कर नियमानुसार पी.ओ.आर. क्रमांक ९४८ / ४७ दिनांक ०४.१२.२०२२ पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियों को सोमवार भैसदेही न्यायालय में पेश किया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय दिवस की तैयारियों की समीक्षा

इंदौर : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि इंदौर में जनवरी में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एवं ओवरसीज इंडियन कांफ्रेंस में विभिन्न देशों के महत्वपूर्ण प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। उद्देश्य यह है कि देश-विदेश के महत्वपूर्ण औद्योगिक संस्थान मध्यप्रदेश में अधिक निवेश करें। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के साथ-साथ अन्य संबंधित विभाग भी विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास करें। विभागों का आपसी समन्वय इस शिखर सम्मेलन और सम्मेलन को अच्छी सफलता दिलाएगा। विशेष रूप से ऊर्जा, पर्यटन, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, रीयल इस्टेट आदि क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के अनुरूप निवेश प्राप्त करने में आसानी होगी। उद्देश्यनीय है कि इंदौर में ८ से १० जनवरी तक प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन तथा ११ व १२ जनवरी को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए इस वर्ष के प्रारंभ से ही आवश्यक तैयारी शुरू कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समस्त भवन में इंदौर में जनवरी माह में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट



तथा प्रवासी भारतीय दिवस एवं सम्मेलन के लिये अब तक की गयी व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की जाँच कर रहे थे। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने समिट के आयोजन के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश भी दिये। मुख्य सचिव इक्बाल सिंह बैस, अपर मुख्य सचिव प्रवासी भारतीय मोहम्मद सुलेमान, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मनीष सिंह तथा मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (एमपीआईसी) के प्रबंध निदेशक मनीष सिंह भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि आमंत्रित प्रतिनिधियों के सम्मान और सभी व्यवस्थाओं का

नई दिल्ली : केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे सक्रिय और नवोन्मेषी बनें, नई तकनीक को अपनाएं, मजबूत नेटवर्क बनाएं और देश के विकास इंजन के रूप में स्वयं को कुशल, उन्नत कुशल व पुनःकुशल बनायें; क्योंकि भारत, दुनिया का विकास इंजन है। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत बहु-विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से समग्र ज्ञान-प्राप्ति के अनुभव पर जोर दिया, क्योंकि शिक्षा ही देश और लोगों के विकास का आधार होती है और अपने परिवार, देश और देशवासियों की समान रूप से सेवा करती है; क्योंकि मेधावी युवा, राष्ट्रीय संपत्ति होते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा स्टार्ट-अप देश है। श्री अनुराग सिंह ठाकुर आज



मुख्य अतिथि के रूप में ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों से खेल अवसररचना को उन्नत करने और युवाओं से फिट और स्वस्थ रहने के लिए 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' पर जोर देते हुए फिट इंडिया अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। भारत जी-२० अध्यक्षता कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एक युवा सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने हरियाणा के किसानों, खिलाड़ियों, लड़कियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में राज्य और देश के लिए अच्छा नाम कमाने से जुड़े प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय और इसके पहले दीक्षांत समारोह में स्नातक और डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को बधाई दी। श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने

कहा कि देश में ७५० 'युवा संवाद' आयोजित किए जा रहे हैं। दीक्षांत समारोह के दौरान ८१५ छात्रों को डिग्री, डिप्लोमा; १५ स्नातक पाठ्यक्रमों के १८४ छात्रों और ५९ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के ४२६ छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इसके अलावा १४ डिप्लोमा कोर्स के १७८ डिग्रियां को डिप्लोमा प्रदान किए गए। विभिन्न विभागों के ३ छात्रों को स्वर्ण पदक और ८ छात्रों को पदार्थ में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए योग्यता प्रमाण पत्र दिए गए।

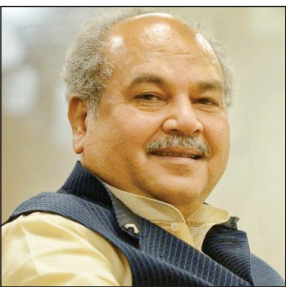
श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार में स्थापित सामुदायिक रेडियो स्टेशन ९०.० 'भयवाणी' का उद्घाटन किया। रेडियो स्टेशन ने समारोह में माननीय केंद्रीय मंत्री के संबोधन का भी प्रसारण किया। दीक्षांत समारोह में हिसार के लोकसभा सदस्य श्री बुजेंद्र सिंह, हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने हिसार में दूरदर्शन केंद्र और ऑल इंडिया रेडियो स्टेशनों का भी दौरा किया तथा उनके कामकाज की समीक्षा की।

समय की मांग हैं प्राकृतिक खेती : कृषि मंत्री तोमर

नई दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की मांग है, जिसमें लागत कम लगती है और उपज की कीमत अधिक मिलती है। प्राकृतिक खेती अब कृषि शिक्षा में भी आएगी। प्राकृतिक खेती पद्धति कृषि शिक्षा पाठ्यक्रम में शीघ्र जुड़े, इस दिशा में सरकार प्रयास कर रही है। श्री तोमर ने यह बात कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अन्नसंधान संस्थान (अटारी), जबलपुर और राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय द्वारा वित्तियर में प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

श्री तोमर ने कहा कि एक समय था जब देश में आबादी के हिसाब से खाद्यान्न की कमी थी। तब केमिकल-फर्टिलाइजर की ओर जाकर उत्पादन केंद्रित नीति बनी, जिसके कारण उत्पादन बढ़ा व आज खाद्यान्न

सरलता हैं, लेकिन अब एक बार फिर से खुद को संवराने की जरूरत है, ताकि आगे का जीवन ठीक से चले और प्रकृति से तालमेल ठीक से बन सके, यह सिर्फ हमारी नहीं बल्कि पूरी दुनिया की चिंता है। श्री तोमर ने कहा कि आज जरूरत स्वस्थ मन, स्वस्थ खाना, स्वस्थ कृषि और स्वस्थ इंसान के सिद्धांत पर चलने की है। इसके लिए प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होना चाहिए। प्राकृतिक खेती पूर्णता की खेती है। इसमें पशुधन का महत्वपूर्ण योगदान है। एक देशी गाय का गोबर व गौमूत्र एक सामान्य किसान के लिए प्राकृतिक खेती में काम करने को पर्याप्त है। देश प्राकृतिक खेती अपनाएगा तो गायें सड़कों पर नहीं दिखेंगी, बल्कि इनका सही उपयोग होगा। अब देश इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। गुजरात के डांग जिले में शत-प्रतिशत प्राकृतिक खेती हो रही है। हिमाचल



में भी तेजी से किसान इस ओर बढ़ रहे हैं। म.प्र. में ५ हजार गांवों में इसकी योजना बनाई गई है।

श्री तोमर ने कहा कि हमारे देश में कृषि का महत्वपूर्ण स्थान है। यह सिर्फ आजीविका के लिए ही नहीं, बल्कि सबकी जरूरत भी है। किसान खेती से सिर्फ आजीविका प्राप्त करने के लिए काम नहीं करता, बल्कि वह देश के १३० करोड़ से ज्यादा लोगों की भूख मिटाने के लिए खेती करता है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया को खाद्यान्न देने वाला देश बन गया है। दुनिया के बहुत-से मित्र

देश आज भारत की तरफ देखते हैं कि अगर भारत में खाद्यान्न उत्पादन की स्थिति ठीक है तो बुरे वक्त में भारत हमारी मदद करेगा। किसानों के सामने देश व दुनिया की भी जिम्मेदारी है। श्री तोमर ने कहा कि रासायनिक खेती के कारण माटी की उर्वरा शक्ति कमजोर हो रही है। मित्र बैक्टिरिया मारे जा रहे हैं। हम हर साल धरती की खाद की प्यास बढ़ाते जा रहे हैं। जिस संकट से देश २५ साल बाद जूझने वाला है उससे बचाना हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्राकृतिक खेती पद्धति को फिर से लांच किया व इसे जनांदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए भारत सरकार प्रयत्नशील है। एमएसपी डेढ़ गुना की गई, वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से करोड़ों किसानों को हर

साल छह-छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब तक २.१६ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा कराई जा चुकी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को फसलों के नुकसान के बदले १.२४ लाख करोड़ रु. दिए गए हैं। किसान क्रेडिट कार्डों द्वारा १८ लाख करोड़ रु. किसानों को मिलते हैं। किसानों की ताकत बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार हर्ससंभव प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में म.प्र. के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाहा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. वेद प्रकाश चहल, राजमाता विजयाराजे कृषि विश्वविद्यालय ग्यालियर के कुलपति डॉ. अरविंद शुक्ला, अटारी जबलपुर के निदेशक डॉ. श्यामरंजन सिंह, सहित जनप्रतिनिधि व वैज्ञानिकगण-अधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात और हिमाचल

गुजरात में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने दर्ज की हुई नेत्रदीपक जीत ने सियासत के पंडितों को बौखलाकर रख दिया हैं। गुजरात में एंटी इन्कम्बन्सी हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा उनके गृह राज्य में नहीं चलेगा, राहुल गांधी की पदयात्रा उलटफेर कर देगी, आप के कारण भाजपा का नुकसान होगा...इत्यादि ध्यौरियां गुजरात के बारे में सियासती पंडित बता रहे थे। लेकिन नतीजे आए तो १८२ में से १५६ सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। यह भाजपा की इतनी प्रचंड जीत हैं कि भविष्य में भी कोई पक्ष आसानी से इस पड़ाव तक नहीं पहुंच पाएगा। दूसरी ओर हिमाचल में भाजपा को नुकसान हुआ। विद्रोहियों की उछलकुद जैसे कुछ मुद्दे थे। लेकिन जब समूचे देश में मोदी और भाजपा जीत पर जीत हासिल कर रहे हैं तो यह सवाल बिल्कुल उपस्थित होता हैं कि हिमाचल में बात क्यों बिगड़ी। अब चुनाव हो चुके हैं। नतीजे आ चुके हैं। गुजरात में भाजपा की विजय और हिमाचल में हार की अगर तुलना की जाए तो हिमाचल की गंभीरता कम नहीं होती, लेकिन गुजरात की विजय ज्यादा मायने रखती हैं। हिमाचल में केवल ६८ सीटें हैं तो गुजरात में १८२। हिमाचल की तुलना में गुजरात तीन गुना बड़ा राज्य हैं। लेकिन राज्य तो राज्य होता हैं। हिमाचल का नुकसान भाजपा को गंभीरता से लेना पड़ेगा।

हम बात कर रहे हैं गुजरात की, गुजरात पर सियासती पंडितों के दावे खोखले साबित हुए। गुजरात में दो दशक से अधिक समय से भाजपा का राज हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य हैं। इसलिए गुजरात के चुनाव परिणामों पर पूरे देश की नजर थी। कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। सच माने तो इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा ने भी नहीं की थी। लेकिन लोगों ने भाजपा को फिर से चुना और ज्यादा सीटें देकर चुना। किसी भी राज्य या देश में सरकार के काम पर समस्त जनता खुश नहीं हो सकती। गुजरात इसमें अपवाद नहीं हो सकता। चुनाव में नाराजगी का स्तर देखना जरूरी हैं। इसलिए मान सकते हैं कि वह होगी। क्योंकि राजनीति और चुनाव में यह अपेक्षित हैं। विपक्षी दल इसे समझ पाने में फंस गए। वे ये देख नहीं पाए कि नाराजगी की परिधि से बाहर विपक्षी पार्टियों को समर्थन देने का जज्बा न के बराबर था। १८२ में से १५६ सीटें जीतने वाली भाजपा को मिला समर्थन ये साफ बताता हैं कि वहां पर अगर सरल बहुमत ९२ सीटों पर बनता हैं और लोगों ने भाजपा की १५६ सीटें जीताई हैं तो विपक्ष को सफलता मिलने की वैसे भी कोई गुंजाइश थी ही नहीं। कांग्रेस के पास ताल नहीं और आप के पास सूर नहीं। तो बात बनने की कोई स्थिती नहीं थी। गुजरात में भाजपा की जीत ये भी बताती हैं कि अगर सही मायने में अच्छा काम किया जाए तो सत्ता कायम रखना मुमकिन हो सकता हैं।

भाजपा ने तमाम अटकों के बावजूद यह कर दिखाया। गुजरात में भाजपा अब इस स्थिती में आ चुकी हैं कि विपक्षी दलों को उसका सामना करने के लिए पूरी सिस्टम को बदलना होगा। न केवल नेता, बल्कि स्ट्रैटेजी और विपक्ष के पारंपरिक स्ट्राईल को बदलना होगा। सिर्फ आलोचना भर से चुनाव जीतने-हारने के दिन लद गए। लोगों को यह कन्विन्सिंग तरीके से बताना भी आवश्यक हैं कि अगर वे भाजपा को वोट न करें तो क्यों न करें और अगर विकल्प स्वरूप करना हैं तो किसे करें और क्यों करें। इन सवालों के तर्कशुद्ध जवाब खोजना और उन्हें लोगों के सामने पेश करना आसान नहीं हैं और अगर वो आसान नहीं हैं तो इससे आगे भाजपा के समुख खड़ा रहना भी आसान नहीं हो सकता।

चुनाव परिणाम बिल्कुल स्वाभाविक

गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा की रिकॉर्ड जीत पर भौचक होने का कोई कारण नहीं है। यही बात हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में भी है। गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को झटका लगा है तो इसलिए उन्होंने वस्तुस्थिति का गलत आकलन किया था। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया था कि २७ साल बाद यहां परिवर्तन होगा। जनादेश ने बता दिया कि राज्य राजनीतिक परिवर्तन के पक्ष में बिल्कुल नहीं है। कांग्रेस का दावा था कि वह धरातल पर काम कर रही है, घर - घर जा रही है और उसे जनता का व्यापक समर्थन है। परिणाम ने बता दिया कि उसका दावा भी सही नहीं था। एक सरल विश्लेषण यह है कि कांग्रेस चुनाव अभियान में भाजपा के समकक्ष कहीं दिख नहीं रही थी। आप ने जोर लगाया लेकिन उसके पास संगठन नहीं है। दूसरी ओर भाजपा के पास सरकार है, सशक्त संगठन है तथा नरेंद्र मोदी जैसा लोकप्रिय नेता एवं अमित शाह के जैसे चुनावी रणनीतिकार। हिमाचल का सामान्य विश्लेषण यह है कि यहां में पिछले ३७ वर्षों से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। क्या गुजरात तथा हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों को इन्हीं कारकों तक सीमित माना जा सकता है?

इसका स्पष्ट उत्तर है, नहीं। केंद्रीय नेतृत्व के बिना अगर कांग्रेस की प्रदेश इकाई हिमाचल में अच्छा प्रदर्शन कर पाई तो इसका मतलब है कि भाजपा वहां कल्पना से ज्यादा समस्यग्रस्त है। ६८ सीटों में पार्टी के २१ विद्रोहियों का खड़ा होना बताता है कि पार्टी की स्थिति क्या है। भाजपा विद्रोहियों द्वारा काटे गए मतों के कारण ही हारी है। हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा दोनों के वोटों में केवल ९ प्रतिशत का अंतर है। विपक्षी कांग्रेस के अंदर व्याप्त निराशा को देखें तो भाजपा को आसानी से चुनाव जीतना चाहिए था, क्योंकि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और केंद्र सरकार के कार्यों को लेकर वहां असंतोष का वातावरण नहीं था। भाजपा को गहराई से मंथन करना होगा कि पूरे देश के वातावरण से अलग हिमाचल का परिणाम क्यों आया? इसके विपरीत गुजरात में भाजपा ने १९९५

में अपने उत्थान के बाद मतों का सर्वोच्च शिखर छुआ है तो राज्य बनने के बाद गुजरात में सबसे ज्यादा सीट पाने का रिकॉर्ड बना दिया। माधव सिंह सोलंकी के नेतृत्व में कांग्रेस की १४९ सीट रिकॉर्ड बन गया था जो टूट चुका है।

५२ प्रतिशत से ज्यादा मत पाने का अर्थ है कि वह किसी पार्टी से सीधे मुकाबले में भी जीत सकती थी। यानी यह विश्लेषण कि आप नहीं होती तो कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करती एवं भाजपा का ग्राफ नीचे आता सही नहीं दिखता। सीटों और मतों की दृष्टि से यह असाधारण विजय है। हर अंकगणित के राजनीतिक मायने होते हैं। २०१७ का चुनाव अलग वातावरण में हुआ था। नोटबंदी के बाद का पहला चुनाव था और प्रदेश का माहौल पाटीदार आंदोलन से संतप्त था। हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिग्नेश मेवानी तीन युवा नेता के रूप में उभरे थे। हार्दिक पटेल पाटीदारों के गुस्से का चेहरा बने थे।

इन सबका असर हुआ और प्रदेश का माहौल में आने के बाद सबसे कम ९९ सीटों तक सिमट गई। २०२२ आते-आते भाजपा ने ईडब्ल्यूएस के तहत १०% आरक्षण देकर नाराज पटेल नेताओं को मनाया, साथ लिया तथा हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर भाजपा में आ गए। भूपेंद्र पटेल के मुख्यमंत्री होने के बाद यह प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई। भाजपा ने आदिवासी नेताओं के कुछ प्रमुख चेहरों को भी शामिल किया। निमिषाबेन मनहरसिंह सुथार (निमिषा सुथार) को मंत्री बनाया और उन्हें पार्टी स्तर पर आदिवासी चेहरे के रूप में आगे बढ़ाया । इसमें भाजपा का ग्राफ स्वाभाविक रूप से बढ़ना था। भाजपा का प्रदर्शन उन क्षेत्रों में भी काफी अच्छा रहा जिनमें वह पिछली बार पिछड़ गई थी। तो इनके मायनों को थोड़ी गहराई से समझनी होगी।

गुजरात एक सामान्य राज्य नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सम्पूर्ण राजनेता के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर निखारने और उभारने की आधार भूमि है। यह कल्पना करना निरर्थक है कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद राजनीति की जो धारा राष्ट्रीय



धारा बन गई वह अपनी आधारभूमि में ही कमजोर हो जाएगी । व्यक्तित्व मुख्यतः विचार और व्यवहार का समुच्चय होता है। गुजरात का मोदी मॉडल हिंदुत्व, राष्ट्रभाव के सामाजिक -आर्थिक- सांस्कृतिक विकास और परिवर्तन के संतुलन का मॉडल रहा है। कहने का तात्पर्य कि मोदी के कार्यकाल में गुजरात की यह सामूहिक मानसिकता सुदृढ़ हुई। मोदी ने गुजरात में क्षत्रीयता को राष्ट्रीयता के भाव से जोड़ दिया।

दुर्भाग्य से विपक्षी कांग्रेस या आप संपूर्ण रूप में इस परिवर्तन को समझ नहीं पाई है। कांग्रेस जैसी पार्टी अभी भी मानती है कि हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का विचार लोगों का केवल भावनात्मक शोषण है और आर्थिक - सामाजिक उन्नति का इससे लेना-देना नहीं। सच इसके विपरीत है। कहा जाता है कि पेट में दाने नहीं हों तो राष्ट्र और धर्म का विचार गले नहीं उतरता। यह तो नहीं कहा जा सकता कि मोदी के शासनकाल में वाकई गुजरात या भारत चमत्कारिक रूप से बदल गया है किंतु विकास के मानकों में गुजरात और भारत हर मायने में बेहतर पायदान पर है। इसमें कांग्रेस या आप कहे कि गुजरात २७ सालों में बर्बाद हो गया, बेरोजगारी बढ़ गई, आर्थिक विकास की गाड़ी रुक गई, व्यापार ठप्प हो गया तो लोगों के गले इसलिए नहीं उतरता, क्योंकि धरातल की सच्चाई यह नहीं है। दूसरे, मोदी मॉडल

लेकर, उसके व्यापार, संसाधन आदि के सभी आधारभूत संरचना उपलब्ध हों। एक उदाहरण बताने के लिए पर्याप्त है कि हिंदुत्व और राष्ट्रवाद का मॉडल विकास की श्रेष्ठ अवधारणा से अलग नहीं है।

चुनावी विजय के लिए शेष बातें चुनाव पूर्व का वातावरण देखिए तो सर्वाधिक प्रभावी चुनावी अभियान किसी का था तो भाजपा का था। मोदी, अमित शाह से लेकर केंद्रीय नेताओं की रैलियां और रोड शो से घर-घर संपर्क तक में कोई पार्टी मुकाबले में नहीं थी। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व का तो लगा ही नहीं कि गुजरात चुनाव से बहुत वास्ता है।

नरेंद्र मोदी के प्रति वितुष्णा के कारण चुनाव प्रक्रिया आरंभ होते ही मधुसूदन मिश्री ने मोदी को औकात दिखाने की बात की तो पहले चरण के पूर्व अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने कह दिया कि उनके क्या १०० सिर हैं रावण जैसे और मतदान के दूसरे दौर के पहले कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वी एस उग्रप्पा ने उन्हें आधुनिक भस्मासुर कह दिया। इसके विरुद्ध प्रतिक्रिया होनी थी और भाजपा ने मोदी के अपमान के रूप में इस ढंग से पेश किया जिससे लोगों का कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा बढ़ा। परिणाम सामने है। कांग्रेस इतिहास के अब तक के सबसे कम सीटों और वोटों तक सिमट गई है। आप ने आरंभ में इवेंट प्रबंधन के गुण से यह दिखाया कि माहौल उसके अनुरूप है किंतु जमीन पर वही स्थिति नहीं थी। उसने वहां खाता खोला लेकिन वोट उसने केवल कांग्रेस का ही काटा है।

यह विश्लेषण गलत होगा कि आप नहीं होती तो भाजपा बड़े अंतर से चुनाव नहीं जीतती। कांग्रेस सही तरीके से लड़ाई लड़ते दिख ही नहीं रही थी। इस तरह गुजरात का चुनाव परिणाम बिल्कुल स्वाभाविक है। वर्तमान वातावरण में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के सिर भारी विजय का सेहरा पहना था और वही हुआ है।

अवधेश कुमार

दिल्ली

-९८११० २७२०८

शिक्षा सभी लोगों के लिए सशक्तिकरण की कुंजी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज ‘अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस’ के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथिके रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने की दिशा में काम करने वाले व्यक्तियों, संस्थानों, संगठनों और राज्य/जिला आदि को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और कार्यों के लिए वार्षिक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। इस समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले, सुश्री प्रतिमा भौमिक भी शामिल हुए।

दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने हेतु वर्ष २०२१ और २०२२ के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किए गए:-

- सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन;
- श्रेष्ठ दिव्यांगजन;
- श्रेष्ठ दिव्यांग बालक/बालिका;
- सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति - दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने में कार्यरत;
- सर्वश्रेष्ठ पुनर्वास पेशेवर (पुनर्वास पेशेवर/कार्यकर्ता) - दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत;
- सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान/नवप्रवर्तन/उत्पाद विकास- दिव्यांगता का सशक्तिकरण करने के क्षेत्र में;
- दिव्यांग सशक्तिकरण के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान (निजी संगठन, एनजीओ);
- दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता (सरकारी संगठन/पीएसई/स्वायत्त निकाय/निजी क्षेत्र);
- दिव्यांगजनों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी - सरकारी/राज्य सरकार /स्थानीय निकायों के अलावा;
- सुगम्य भारत अभियान का कार्यन्वयन/बाधामुक्त प्रक्रिया कानिर्माण करने में सर्वश्रेष्ठ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/जिला;
- सर्वश्रेष्ठ सुगम्य यातायात के साधन/सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (सरकारी/निजी संगठन);
- दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम/यूडीआईडी और दिव्यांग सशक्तिकरण जैसी अन्य योजनाओं वाले कार्यों के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश/जिला;
- दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, २०१६ को अपने राज्य में लागू करने में सर्वश्रेष्ठ राज्य आयुक्त दिवायंगनज;
- पुनर्वसन

पेशवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संगठन। राष्ट्रपति ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने अनुमान लगाया है कि दुनिया में एक अरब से ज्यादा लोग दिव्यांग हैं। जिसका मतलब यह है कि दुनिया में लगभग प्रत्येक ८वां व्यक्ति किसी न किसी रूप में दिव्यांग है। भारत में दो प्रतिशत से ज्यादालोग दिव्यांग हैं। इसलिए, यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि दिव्यांगजन अपना जीवन स्वतंत्र रूप से और सम्मान के साथ व्यतीत कर



सकें। यह सुनिश्चित करना भी हमारा कर्तव्य है कि उन्हें अच्छी शिक्षा प्राप्त हो, वे अपने घरों और समाज में सुरक्षित रहें, उन्हें अपना करियर चुनने की स्वतंत्रता हो और उन्हें रोजगार के समान अवसर प्राप्त हों।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा में दिव्यांगता को ज्ञान प्राप्ति और उत्कृष्ट बनने में कभी बाधा नहीं माना गया है तथा प्रायः देखा गया है कि दिव्यांगजन दिव्य-गुणों से युक्त होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे असंख्य उदाहरण हैं, जिनमें हमारे दिव्यांग भाईयों और बहनों ने अपने अदम्य साहस, प्रतिभा तथा दृढ़ संकल्प के माध्यम से अनेक क्षेत्रों में प्रभावशाली उपलब्धियां प्राप्त की हैं। पर्याप्त अवसर और सही वातावरण मिलने पर वे सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा दिव्यांगजन सहित सभी लोगों के लिए सशक्तिकरण की कुंजी है। उन्होंने शिक्षा में भाषा संबंधी बाधाओं को समाप्त करने और दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा सुलभ बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा

नीति, २०२० में भी दिव्यांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए समान अवसर देने के लिए सक्षम व्यवस्था के महत्व को रेखांकित किया गया है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त किया कि श्रवण बाधित बच्चों के लिए कक्षा ०१ से ०६ तक की एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों को भारतीय सांकेतिक भाषा में परिवर्तित किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रवण बाधित छात्रों को मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल करना एक महत्वपूर्ण पहल है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने की दिशा में अनेक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि उनके अनुसार, दिव्यांगजनों का सशक्तिकरण करने के लिए उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न करना बहुत महत्वपूर्ण है। दिव्यांगजनों में सामान्य लोगों की तरह

ही प्रतिभाएं और क्षमताएं मौजूद होती हैंऔर कभी-कभी उनसे कहीं ज्यादा होती हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिएउनमें सिर्फ आत्मविश्वास उत्पन्न करने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से आग्रह किया कि वे दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जब हमारे दिव्यांग भाई-बहन मुख्यधारा में शामिल होकर अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे, तब हमारा देश और तेजी के साथ विकास के मार्ग पर अग्रसर होगा।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री नेइस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगजन एक बहुमूल्य मानव संसाधन हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी राष्ट्रीय विकास एजेंडा में दिव्यांगजनों के मुद्दों के बहुत प्राथमिकता देते हैं। प्रधानमंत्री का आदर्श वाक्य समावेशी विकास, सभी का विकास और सभी का आत्मविश्वास है। सरकार ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, २०१६ में अधिनियमित किया है जिसे १९.०४.२०१७ से लागू किया

गया है। इस अधिनियम में दिव्यांगजनोंको सरकारी नौकरियों में ४ प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगजनों को सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने के लिए सरकार ने ०३.१२.२०१५ को सुलभ भारत अभियान (एक्सेसिबल इंडिया कैम्पेन) की शुरूआत की थी, जिससे दिव्यांगजन गरिमा के साथ अपना सार्वकिक जीवन व्यतीत कर सकें। इस अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक भवनों, परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। उनके द्वारा पहुंच संबंधित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, विभाग ने उन समस्याओं का यथासंभव तीव्र और व्यवस्थित समाधान करने के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया है।

सरकार ने श्रवण बाधित लोगों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और भारत में सांकेतिक भाषा का निर्माण करने के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) की स्थापना की है। संस्थान द्वारा अन्य कार्यों के अलावा निरंतर सांकेतिक भाषा शब्दकोश तैयार किया जा रहा है जिसमें अब तक १०,००० से ज्यादा शब्दों को शामिल किया गया है।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि इसके अलावा सरकार दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करने के उद्देश्य से एक अद्वितीय दिव्यांगता पहचान पत्र परियोजना चला रही है और अब तक सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के ७१३ जिलों में ८४ लाख से ज्यादा यूडीआईडी कार्ड तैयार किए जा चुके हैं।

सरकार मध्य प्रदेश के खालियर में दिव्यांग खेल केंद्र और सीहोर में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान की भी स्थापना कर रही है।

मंत्री ने दिव्यांग युवाओं और बच्चों की प्रतिभा तथा कौशल को उजागर करने के लिए मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही‘दिव्य कला शक्ति’ के बारे में भी बात की।

इस अवसर पर, श्री राजेश अग्रवाल, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित हुए।

हिमाचल का मलाणा यानि सिकंदर के सैनिकों का गांव, जिनकी भाषा मैं यूनानी शब्द भी



नई दिल्ली : हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा गांव है, जिसे सिकंदर महान के सैनिकों के वंशजों का गांव कहा जाता है. इस गांव की एक नहीं ना जाने कितनी ख़ासियतें हैं. एक तो ये भारत का संविधान नहीं मानता, क्योंकि इसका अपना संविधान बहुत पुराना है. कहा जाता है कि ये देश का सबसे पुराना लोकतांत्रिक गांव है. यहां अकबर की पूजा होती है और सबसे ज्यादा हशीश भी पैदा होती है.

हाल ही में भारत और यूनान का एक स्कॉलर ग्रुप इस बात पर रिसर्च कर रहा है कि हिमाचल के मलाणा गांव के लोगों की जड़ें, किस तरह उन्हें सिकंदर महान से जोड़ती हैं. सिकंदर ने ३२६ ईसापूर्व भारत पर आक्रमण किया था. परसिया पर अधिकार करने के बाद वह भारत के उत्तरी-पश्चिमी भाग (जो अब पाकिस्तान है) तक पहुंचा था. वहां सिकंदर का युद्ध पोरस से हुआ. पोरस से संधि के बाद बेशक सिकंदर की सेना यहां से वापस यूनान लौट

गई लेकिन उसकी सेना के कई सैनिक वहां नहीं जाकर हिमाचल प्रदेश के इस गांव में बस गए. उसके बाद से यहां उनके वंशजों की आबादी बढ़ती रही. इसलिए इसे सिकंदर के सैनिकों का गांव भी कहा जाता है.

यहां की भाषा में भी कुछ ग्रीक शब्दों का इस्तेमाल होता है. हालांकि इस बात का कोई ऐतिहासिक तथ्य नहीं मिलता कि ये सिकंदर के सैनिकों का गांव है.कहा जाता है कि सिकंदर के कुछ सैनिक वापस नहीं गए और उन्होंने ही मलाणा गांव बसाया. यहां के लोगों का हाव-भाव और नैन-नक्श भी भारतीयों जैसे नहीं हैं.बोली से लेकर शाररिक बनावट तक ये लोग भारतीयों से एकदम अलग नजर आते हैं.

इस गांव में बाहरी लोगों के कुछ भी छुने पर पाबंदी है. इसके लिए इनकी ओर से बकायदा नोटिस भी लगाया गया है, जिसमें साफ तौर पर

लिखा गया है कि किसी भी चीज को छूने पर एक हजार रुपए का जुर्माना देना होगा. इनके जुर्माने की रकम १००० से लेकर २५०० रुपए तक है. किसी भी सामान को छूने की पाबंदी के बावजूद भी यह स्थान पर्यटकों को आकर्षित करता है. वैसे बाहर से आए लोग दुकानों का सामान नहीं छू सकते. पर्यटकों को अगर कुछ खाने का सामान खरीदना होता है तो वह पैसे दुकान के बाहर रख देते हैं. दुकानदार भी सामान जमीन पर रख देता है.

मलाणा के लोग भारत के संविधान को न मानकर अपनी हजारों साल पुरानी परंपरा को मानते हैं. पहाड़ियों से घिरे हिमाचल प्रदेश के कुछ जिले में ये हो छोटा सा गांव स्थित है. कहा जाता है कि दुनिया को सबसे पहले लोकतंत्र यहीं से मिला था. प्राचीन काल में इस गांव में कुछ नियम बनाए गए, इन नियमों को बाद में संसदीय प्रणाली में बदल दिया गया.



भारत में घर लेना चाहती हैं पाकिस्तानी अभिनेत्री

खुद बताई दिल की बा

दुबई में फिल्मफेयर मिडिल ईस्ट अचीवर्स नाइट स्टार-स्टेड इवेंट में बॉलीवुड से लेकर पाकिस्तान से आए सितारे भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मनोरंजन जगत में सितारों के काम के लिए सभी को कई अवार्ड दिए गए और इस दौरान कला प्रेमियों का एक दूसरे के प्रति अलग ही प्रेम और सम्मान देखने को भी मिला। इस शानदार नाइट इवेंट नाइट में कई दिल छू लेने वाले पल भी आए। वहीं फिल्म 'मांम' में अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी का किरदार अदा करने वाली पाकिस्तानी एक्ट्रेस सजल अली ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की और उन्होंने एक सवाल के जवाब में अपने दिल की बात भी कही।

दरअसल जब एक्ट्रेस सजल अली से सवाल किया गया कि दुनिया में किसी ऐसी जगह के बारे

में बताएं जहां वह अपना घर बना सकती हैं। इस सवाल के जवाब में सजल अली कहती हैं कि 'इंडिया में क्यों नहीं हो सकता?.. वह कहती हैं भारत में भी हो सकता है... और दुबई में भी। इसके आगे वह कहती हैं कि जान्हवी यहां हैं, गोविंदा सर, रणवीर हैं। यह एक ऐसा इवेंट है, जहां पर हमें मौका मिलता है कि हमारे जो भारत में लोग हैं, उनसे घुलने-मिलने का एक बड़ा अवसर है, जो मुल्क से दूर हैं लेकिन दिल से बहुत करीब हैं।'

फिल्म फेयर अचीवर्स नाइट में जान्हवी कपूर और सजल अली के बीच भी काफी अच्छा बॉन्डिंग देखने को मिली। दोनों एक्ट्रेस एक दूसरे के गले तो मिली ही इसके साथ ही जान्हवी ने स्टेज पर भी जाकर सजल अली के लिए कई दिल छू लेने वाली बातें कही और चीयर किया। इसका वीडियो भी सजल अली ने अपने इंस्टाग्राम से साझा किया है।

इफ्फी ५३ में हॉरर फिल्मों का एक विशेष पैकेज

नई दिल्ली : डर एक सार्वभौमिक भाषा है, हम सबको डर लगता है। हम जन्म से ही डरने लगते हैं, हमें हर चीज से डर लगता है: मृत्यु, विकृति, प्रियजनों के खो जाने। हर उस चीज से जिससे मुझे डर लगता है, आप भी उससे डरते हैं; आप जिन चीजों से डरते हैं, मैं भी उनसे डरता हूं। अमेरिकी फिल्म निर्माता जॉन कारपेंटर, जिन्हें 'हॉरर फिल्मों का उस्ताद' कहा जाता है, वे जब अपनी पसंदीदा फिल्म विधा की बात करते हैं, तो वे भावनात्मक रूप से तनिक भी अतिशयता से काम नहीं लेते।

कहां से शुरू किया जाये? 'ड्रैकुला' से लेकर 'दि एक्जॉरसिस्ट' तक या 'हैरेडिटी' से लेकर 'द कॉन्जिंग' तक, सनसनी पैदा कर देने वाली इन हॉरर फिल्मों ने दुनिया भर के सिने-प्रेमियों का ध्यान खींचा है। हर देश और हर भाषा यह दावा कर सकती है कि उसके पास कम से कम दर्जन भर हॉरर फिल्मों तो जरूर होंगी, जो अपने दर्शकों को रोमांच से भर देती हैं और उन्हें बेचैन कर देती हैं। हमारे भीतर के डर को कुशलता से इस्तेमाल करके, इस विधा की फिल्मों ने विश्व सिनेमा में तरह-तरह का प्रभाव डाला है और खुद के लिये स्थान बनाया है।

भयावह फिल्मों की लोकप्रियता के आधार पर, ५३वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) 'मैकेबर ड्रीम्स' की पेशकश कर रहा है। इस गुलदस्ते में नई रिलीज होने वाली हॉरर फिल्में रखी गई हैं, जो सिनेमा हॉल से निकलने के बाद भी आपको विचलित करती रहेंगी। पारलौकिक फिल्मों के इस विशेष पैकेज में निम्नलिखित फिल्मों शामिल हैं:-

नाइट सायरन (स्तोवाकिया/२०२२)

इस फिल्म का निर्देशन टेरेंजा न्वोतोवा ने किया है। यह एक युवती की कहानी है, जो अपने पुश्तैनी पहाड़ी गांव में वापस आती है।

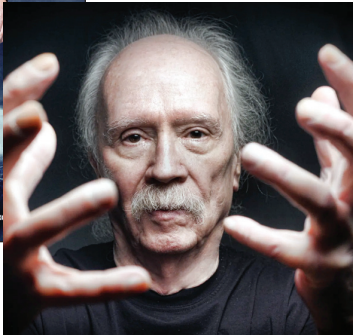


वह अपने मुश्किल भरे बचपन के बारे में जानना चाहती है, सवालों के जवाब तलाशना चाहती है। लेकिन, जब वह सच्चाई खोजने की कोशिश करती है, तो पुरानी दुनिया की आहटें आधुनिक वास्तविकता में दखलंदाजी करने लगती हैं। तब गांव के लोग उस पर जादू-टोने और हत्या का आरोप लगाने लगते हैं।

यह बहुत रोमांचक और पहेलियों से भरी फिल्म है, जो सात अध्यायों में सामने आती है। इन अध्यायों के जरिये आधुनिक स्तोवाकिया में पुरानी आस्थाओं के उभरने को पेश किया गया है तथा बताया गया है कि कैसे आधुनिक समय में भी स्त्रियों के प्रति द्वेष, बाहरी लोगों के प्रति द्वेष और सामूहिक पागलपन मौजूद हैं।

फिल्म यह भी दर्शाती है कि जब हम हिंसे-फिटे रास्ते को छोड़ देते हैं, तो मुक्त होने के लिये क्या-क्या करना पड़ता है।

हुइसेरा (पेरू/२०२२)



यह एक पारलौकिक तत्व की डरावनी फिल्म है, जिसका निर्देशन मैक्सिको की फिल्म निर्माता मिचेल गार्ज़ा सरवेरा ने किया है। वे इस फिल्म की सह-लेखक भी हैं। फिल्म में नतालिया सोलियेन ने एक गर्भवती औरत वेलेरिया का किरदार निभाया है, जिसे जादू-टोने की ताकतें

मिले हैं।

वीनस (स्पेन/२०२२)

यह स्पेन की पारलौकिक हॉरर फिल्म है, जिसमें शहरी वातावरण पेश किया गया है कि कैसे आधुनिक जादू-टोने के साथ बचा जाता है। फिल्म का निर्देशन यॉमी बालाग्वेरो ने किया है। यह छह भागों वाले 'दी फियर कलेक्शन' का दूसरा हिस्सा है। सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और अमेज़ॉन प्राइम वीडियो मिलकर इसका निर्माण कर रहे हैं। पहली फिल्म अलेक्स डी ला इगलेसिया की वेनेशिया फ्रेनिया (२०२१) थी।

कथावस्तु अमेरिकी लेखक एच.पी. लवक्राफ्ट की हॉरर कहानी 'द ड्रीम्स इन दी

बैग चुरा लेती है, जहां वह काम करती है।

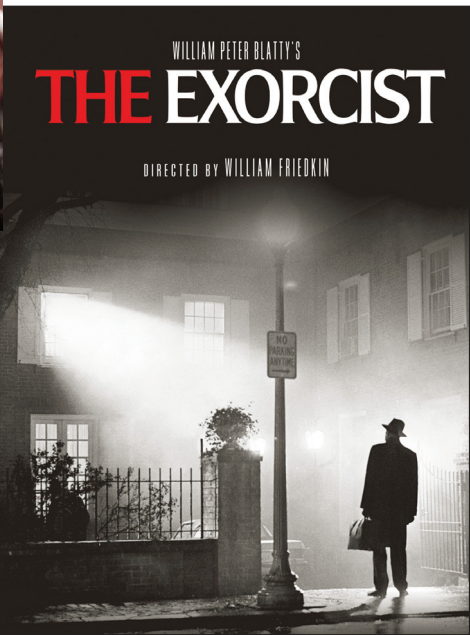
जब उसकी योजना गड़बड़ हो जाती है और बदमाशों का गिराह उसके पीछे लग जाता है, तो वह अपनी बहन के फ्लैट में छुपने का इरादा करती है। बहरहाल, उस फ्लैट में उन बदमाशों से ज्यादा बड़ा खतरा मौजूद है। कथावस्तु और साउंडट्रैक, दोनों मिलकर बहुत डरावनी ध्वनियां पेश करते हैं। इससे इलेक्ट्रॉनिक संगीत की ताकत का भी पता चलता है। वास्तव में बालाग्वेरो ने लवक्राफ्ट की कहानी को नया मोड़, नया कलेवर दे दिया है।

हैचिंग (फिनलैंड, स्वीडर/२०२२)

यह फिनलैंड की मनोवैज्ञानिक हॉरर फिल्म है, जिसका निर्देशन हन्ना बर्गांम ने किया है। इसका प्रीमियर २३ जनवरी, २०२२ में सनडांस फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। उसे जेराडमर इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल में ग्रां प्री और प्री दू ज्यूंस पुरस्कार मिल चुके हैं।

यह फिल्म एक युवा जिम्नास्ट टिनजा के आसपास घूमती है, जो अपनी मां को प्रभावित करने की कोशिशों में लगी रहती है। उसकी मां अपने लोकप्रिय ब्लॉग के जरिये दुनिया के सामने एक आदर्श परिवार की छवि पेश करने के पीछे पागल रहती है। एक दिन टिनजा को एक रहस्यमयी अंडा मिलता है। वह उसे घर ले आती है। जब वह पकता है, तो उसके भीतर से निकलने वाले जीव का नाम वह 'अली' रख देती है। वह धीरे-धीरे बड़ा होता है और उसी की छवि

वाला बन जाता है। फिर वह टिनजा की दबी-कुचली भावनाओं के अनुसार काम करता है।



विच हाउस' पर आधारित है। कहानी की शुरुआत एक बूले डॉक्टर से होती है, जो उस नाइट क्लब से नशीली गोलीयों से भरा एक

अब कभी सुनाई नहीं देगी श्रेया की आवाज?

कॉन्सर्ट के बाद हुआ था हादसा, खुद बताई उस रात की बात

श्रेया ने अपने सोशल मीडिया पर बताया कि एक कॉन्सर्ट के बाद उनकी आवाज पूरी तरह से चली गई थी। जिसके बाद उन्हें डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। हल्के-फुल्के इलाज के बाद श्रेया अब ठीक महसूस कर रही हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर श्रेया लिखती हैं - 'आज मैं बेहद भावुक हूं, मैं अपने बैड, फ्रैम और अपनी पूरी टीम से बहुत प्यार करती हूं। उन्होंने हर दौर में मेरा साथ दिया। हर बुरे और अच्छे दौर में मेरी टीम मेरे साथ रही है। उन्होंने हर तरह से मेरा सपोर्ट किया है।' श्रेया अपनी पोस्ट में आगे लिखती हैं - 'पिछली रात ऑरलैंडो में कॉन्सर्ट के बाद मेरी आवाज पूरी तरह से चली गई थी। मैंने अपनी आवाज पूरी तरह खो दी थी। मेरे शुभचिंतकों की दुआओं और डॉक्टर समीर भार्गव के बेस्ट इलाज की वजह से मुझे मेरी आवाज वापस मिल सकी। मैं सभी का दिल से शुक्रिया अदा करती हूं।'

श्रेया के इस खुलासे के बाद उनके प्रशंसक भावुक हो गए। प्रशंसकों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए

प्रतिक्रिया दी। श्रेया के फैंस उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए दुआ मांग रहे थे। वहीं कुछ फैंस इस बात पर खुशी जाहिर कर रहे थे कि उनकी आवाज वापस लौट आई। कुछ फैंस श्रेया की बहादुरी के कायल हो गए। एक फैन ने कमेंट कर लिखा, 'श्रेया ने इस भयावह दौर का बेहद बहादुरी से सामना किया, यह उनकी साहस को दर्शाता है। किसी सिंगर की आवाज का चला जाना किसी भयानक सपने से कम नहीं'।

आपको बता दें कि

श्रेया फिल्म इंडस्ट्री में प्ले बैक सिंगिंग के लिए सबसे ज्यादा

पैसे लेने वाली फीमेल सिंगर में से एक हैं। वहीं श्रेया चार बार नेशनल अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। श्रेया ने बहुत ही छोटी उम्र में अपना सिंगिंग करियर शुरू कर दिया था। उस वक्त उनकी उम्र महज चार साल थी। उन्होंने रिएलिटी शो सारेगामापा में भी भाग लिया था। और वह उस शो की विनर भी बनी थीं।



सिंगर पलक संगीतकार से हुई विवाहबद्ध

मुंबई : बॉलीवुड की मशहूर प्लेबैक सिंगर पलक मुच्छल और म्यूजिक कंपोजर मिथुन शर्मा की शादी की रस्म हुई। पलक और मिथुन ने मुंबई में शादी की और उनके रीसेप्शन में बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। पलक और मिथुन ने शनिवार को हल्दी,

मेहंदी और संगीत सेरेमनी की थी। इस सेरेमनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। रविवार शाम को दोनों की शादी हुई। पलक ने मिथुन के साथ इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज हम एक हो गए हैं।'

गैंग्स ऑफ वासेपुर के 'डेफनित' ने नहीं चुकाए होटल के २९ लाख रुपये

फिर लगा धोखाधड़ी का आरोप

अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर की कहानी झारखंड के धनबाद शहर के इर्द-गिर्द बुनी गई थी। इस फिल्म का हर एक किरदार अलग था, सभी ने दर्शकों के दिलों पर अलग छाप छोड़ी थी। गैंग्स ऑफ वासेपुर में डेफनित का किरदार निभा चुके जीशान कादरी तो आपको याद ही होंगे। जीशान कादरी के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। जीशान पर आरोप है कि उन्होंने एक होटल के रुपये नहीं चुकाए हैं।

२९ लाख रुपये की ठगी का मामला जीशान कादरी के खिलाफ रांची में ठगी का केस दर्ज कराया गया है। रांची के हिंदूपीढ़ी थाने में दर्ज मामले में ठगी का आरोप लगाया गया है।



जीशान पर यह मामला एक होटल संचालक ने दर्ज कराया है। होटल एवीएन ग्रांड के निदेशक विशाल शर्मा ने दर्ज शिकायत में कहा है कि उनके साथ करीब २९ लाख रुपये

की ठगी की गई है। दरअसल यह मामला होटल में ठहरने और फिर बिल न चुकाने का है। जिसके बाद होटल के संचालक ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

पहले भी लग चुका है धोखाधड़ी का आरोप

बता दें कि इससे पहले भी जीशान पर चोरी और धोखाधड़ी का आरोप लग चुका है। एक महिला ने उनपर ३८ लाख रुपये की ऑडी-६ कार चुराने और लाखों रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। महिला ने ये भी कहा था कि जीशान ने उनको जान से मारने की धमकी भी दी है। इस मामले में जीशान ने कहा था कि महिला झूठ बोल रही है। ये सब उनकी छवि खराब करने और पब्लिसिटी स्टंट के लिए है। हालांकि रांची वाले मामले पर अभी जीशान का जवाब आना बाकी है।

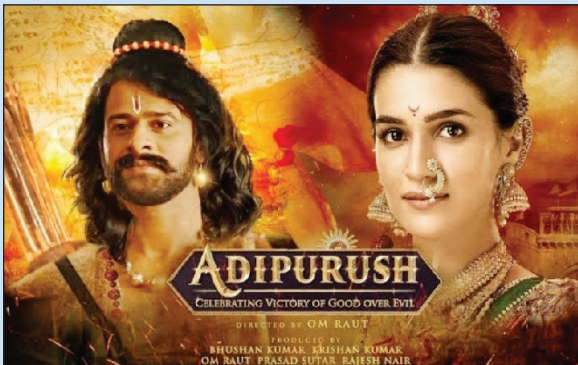
डाक्यूमेंट्री फिल्म 'नशा' का हुआ मुहूर्त

डाक्यूमेंट्री फिल्म 'नशा' के डायरेक्टर एडवोकेट, अभिनेता, हनीफ खान मुहूर्त के मौके पर, जाने माने कैमरामैन अमर चौहान, इसी नगर के फिल्म लेखक रेहान सह्यून एवं पूरी टीम को बुरहानपुर का नाम चमकाने के लिए दैनिक अग्रिसाक्षी के पत्रकार रिफत अंसारी और बुरहानपुर के प्रमुख इतिहासकार कमरुद्दीन फ़लक उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

विशाल भारद्वाज का बेटा भी बना दिग्दर्शक

संगीतकार और गीतकार के साथ-साथ विशाल भारद्वाज एक बेहतरीन निर्देशक हैं। उनके बेटे ने भी निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा है और उनकी फिल्म 'कुट्टे' १३ जनवरी को रिलीज होने जा रही है। कुट्टे एक सेपर-थ्रिलर है और विशाल भारद्वाज के बेटे अस्मान भारद्वाज के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। लव फिल्मस और विशाल भारद्वाज फिल्मस द्वारा निर्मित और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, कुट्टेया अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चा में हैं। रोमांच और मनोरंजन से भरपूर, कुट्टे में अर्जुन कपूर, तब्बू, नसीरुद्दीन शाह सहित प्रतिभाशाली कलाकार हैं।

२०२३ में आएगी 'आदिपुरुष'



साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने अभिनेता के ४३वें जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म का नया पोस्टर जारी किया था।

हालांकि इस पोस्टर को देखने के बाद लोगों ने प्रभास के लुक की जमकर तारीफ की। अब मेकर्स ने इस फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। फिल्म के डायरेक्टर ने पोस्ट शेयर करते हुए यह बात बताई। इस पोस्ट में लिखा है कि आदिपुरुष केवल एक फिल्म ही नहीं श्री राम प्रभु के प्रति भक्ति व हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भूषण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म अब १६ जून २०२३ को रिलीज होगी।

'कांतारा' ने तोड़ा 'उरी' का रिकॉर्ड



मुंबई: साउथ फिल्मों के लिए यह साल काफी लाभदायक रहा है, 'पुष्पा' के बाद 'केजीएफ २' और अब 'कांतारा' रेवेन्यू की नई ऊंचाईयां स्थापित कर रही हैं। 'कांतारा' ने बॉक्स ऑफिस पर छह हफ्ते भी पूरे नहीं किए हैं। फिल्म ने छठे हफ्ते के पहले दिन १७.५४ करोड़ का कलेक्शन किया था। २०१९ में, विकी कौशल की 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' ने अपने छठे सप्ताह में ११.६० करोड़ रुपये की कमाई करके एक सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया। उस समय इसे मैजिक नंबर कहा जाता था। अब 'कांतारा' ने 'उरी' की विरासत को तोड़ा है। इस फिल्म ने पहले ही बाहुबली २ का रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

कार्तिक की 'फेडी' का टीजर

मुंबई: कार्तिक की 'भूल भुलैया २' ने कई रिकॉर्ड तोड़े, लेकिन अब उनकी अपकमिंग फिल्म फ़टी ओटीटी पर लाइव हो रही है। इस फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है। टीजर से साफ है कि कार्तिक एक डैटिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उनका ये किरदार बेहद अजीब है। कुल मिलाकर इस किरदार में और भी बहुत कुछ छिपा है जो फिल्म रिलीज होने के बाद ही समझ में आएगा। ये कहानी है कि कैसे एक डैटिस्ट अचानक सीरियल किलर बन जाता है और कार्तिक के फैंस इसका बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।



मुंबई : आयुष्मान खुराना ने अब फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली है। पिछले कुछ दिनों से साफ हो गया है कि बॉक्स ऑफिस पर आयुष्मान का जादू नहीं चल रहा है। आयुष्मान खुराना और जयदीप अहलावत की फिल्म 'एक्शन हीरो' हाल ही में रिलीज हुई है और दर्शकों

ने इस फिल्म को बहुत ठंडा रिसर्पॉन्स दिया है। आयुष्मान की फिल्म होने की वजह से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन फिल्म ने पहले दिन महज १.३१ करोड़ का कलेक्शन किया, आयुष्मान की यह लगातार पांचवीं फिल्म है, जो बॉक्स ऑफिस पर असफल रही है।

महाराष्ट्र में लागू होगा लोकायुक्त कानून

एकनाथ शिंदे सरकार ने माना अन्ना हजारे का सुझाव



मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ऐलान किया है कि राज्य में लोकपाल की तर्ज पर लोकायुक्त नियुक्त किया जाएगा. महाराष्ट्र कैबिनेट की बैठक में अन्ना हजारे कमेटी की रिपोर्ट को मंजूरी दी गई है. एकनाथ शिंदे ने कहा कि बिल इसी सत्र में लाया जाएगा और पास किया जायेगा. इस लोकायुक्त में मुख्यमंत्री, डीसीएम समेत सभी कैबिनेट मंत्री के अंदर होंगे. भ्रष्टाचार का दूर करने का लिए लोकायुक्त को कैबिनेट में मंजूरी मिली है.

जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री और कैबिनेट को भी लोकायुक्त के दायरे में लाया जाएगा. भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम को इस कानून का हिस्सा बनाया जाएगा. लोकायुक्त में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों समेत पांच लोगों की एक टीम होगी.

लोकायुक्त क्यों है अहम?

अन्ना हजारे लगातार लोकायुक्त की मांग कर रहे थे. लोकायुक्त के जरिए मुख्यमंत्री के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है. महाराष्ट्र सरकार जो प्रस्ताव लेकर आने

भाजपा सरकार के समय हुआ कमेटी का गठन

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अन्ना हजारे राज्य में लोकपाल एक्ट की तर्ज पर लोकायुक्त चाहते थे इसी कारण जब हमारी सरकार थी जब अन्ना हजारे की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया था. लेकिन राज्य में महा विकास अघाडी की सरकार ने इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया. लेकिन जब हम सत्ता में आए हैं तो इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि हम पूरी पारदर्शिता के साथ सरकार चलाएंगे. साथ ही उन्होंने कहा कि हम महाराष्ट्र को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में काम करेंगे इसलिए राज्य में लोकायुक्त कानून लाने का फैसला लिया गया है.

वाली है उसमें इसे शामिल किया गया है.

महाराष्ट्र में क्या धर्म परिवर्तन को लेकर? नया बिल लाने की तैयारी में है शिंदे-बीजेपी सरकार?

मुंबई : महाराष्ट्र के पालघर निवासी श्रद्धा वालकर की हत्या के बाद से दूसरे धर्म में शायी करने को लेकर प्रदेश सरकार इस मसले को लेकर काफी गंभीर है. श्रद्धा वालकर के मामले में उनके पिता ने बीजेपी समर्थित शिंदे सरकार धर्म परिवर्तन के आधार पर शायी को लेकर नया बिल लाने की तैयारी में जुटी है. वर्तमान में इस बात की चर्चा इसलिए है कि महाराष्ट्र सरकार ने एक सर्व्कूलर जारी किया है. सर्व्कूलर के कहा गया है कि जिन लडकियों ने दूसरे धर्म में शायी की है, उनके परिवारों से संपर्क किया जाएगा. इस बात को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. १३ सदस्यीय समिति गठित

इस मसले को लेकर शिंदे सरकार में महिला और बाल विकास मंत्री मांगल प्रभात लोढा ने १३ सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया है. इससे पहले एक सर्व्कूलर जारी कर अंतरजातीय विवाह को भी इस कटेगरी में शामिल किया था, लेकिन बाद में उसे केवल दूसरे धर्म में विवाह तक सीमित कर दिया गया.

नफरत की राजनीति न करे सरकार

महाराष्ट्र सरकार के इस फैसले के बाद जहां विपक्षी दलों के नेताओं ने सरकार पर नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया है. विपक्ष का आरोप है कि सरकार की नजर बीएमसी चुनाव पर है. वर्तमान सरकार केवल

लडकियों की सुरक्षा के लिए उठाया गया ये कदम

वहीं, बीजेपी विधायक अतुल भटखलकर ने कहा कि श्रद्धा वालकर जैसे कई मामले सामने आने के बाद इस समिति का गठन किया गया है. श्रद्धा वालकर के मामले में उनके पिता ने आरोप लगाए थे कि उसके घर छोड़ने के बाद आफताब के घरवालों ने उसे स्वीकार नहीं किया और न ही श्रद्धा को परिवारवालों से मिलने दिया जाता था. चूंकि महाराष्ट्र में इस तरह की घटनाएं सामने लगातार आ रही हैं, इसलिए ऐसी लडकियों की सुरक्षा के लिए हमने ये कदम उठाया है. जिन लडकियों को शायी के बाद परिवार से मिलने नहीं दिया जा रहा वो जिला मजिस्ट्रेट से शिकायत दर्ज कर सकती हैं। गठित समिति का मकसद इस तरह के मामलों में काउंसिलिंग करवाना भी है.



एक विचारधारा को फैलाने की कोशिश कर रही है.

समिति के गठन पर उठे सवाल

दूसरी तरफ कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने सर्व्कूलर पर सवाल उठाते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में कितने अंतरधार्मिक विवाह हुए हैं,

कितनी लडकियां तकलीफ में हैं, कितनी शिकायतें इनके सामने आई हैं. ऐसा कोई आंकड़ा सरकार के पास नहीं है. हकीकत यह है कि श्रद्धा वालकर मामले को लेकर समाज में नफरत फैलाने की कोशिश हो रही है. बीजेपी गठबंधन वाली सरकार के पास विकास का मुद्दा नहीं है, इसलिए वो ऐसे मुद्दे उठा रही है.

सरकार बताए- अंतरजातीय विवाह करने पर क्यों देती है ढाई लाख रुपये

सरकारी स्तर पर विरोधाभास देखिए कि एक तरफ सरकार ऐसे विवाह को प्रोत्साहन देने के लिए ढाई लाख रुपये दे रही है. दूसरी तरफ दूसरे धर्म में शायी रोकने की कोशिश की जा रही है. महाराष्ट्र सरकार ने तीन साल पहले ऐसे विवाह करने वालों को ढाई लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने की बात कही थी, लेकिन इसके पीछे शर्त ये भी थी कि वर या वधू

अनुसूचित जाति से होने चाहिए और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर समता प्रतिष्ठान के अंतर्गत ये सामूहिक विवाह होने चाहिए.

यह धर्म परिवर्तन को लेकर कानून है

इसके जवाब में बीजेपी विधायक अतुल भटखलकर का कहना है कि ये किसी मजहब के खिलाफ नहीं है. ऐसी शायी में अगर किसी कि मंशा में कोई खोट नहीं है तो उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है. ये सर्व्कूलर महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर जारी किया गया है. मैंने, लव जिहाद और धर्म परिवर्तन को लेकर एक निजी बिल विधानसभा में पेश किया है.

इस पर, अभी नहीं लिया गया कोई फैसला

हाल ही में डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि लव जिहाद को लेकर बिल लाने पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है. ये बात अलग है कि सरकार इस मसले पर आकलन के काम में जुटी है। महाराष्ट्र सरकार यह जानने की कोशिश कर रही है कि अलग-अलग राज्यों ने इसको लेकर अभी तक क्या-क्या कानून अस्तित्व में हैं.

देश के ९ राज्यों में है इसको लेकर कानून भारत के नौ राज्यों में यह कानून अस्तित्व में है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, और ओडिशा में धर्म परिवर्तन को लेकर कानून है.

सुनील फुलारी बने कोल्हापुर रेंज के IG

IPS अधिकारियों की तैनाती से संबंधित आदेश में संशोधन

मुंबई : महाराष्ट्र के गृह विभाग ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों की तैनाती से संबंधित पिछले कुछ आदेशों में संशोधन किया है, जिनके तहत अमिताभ गुप्ता को मुंबई में स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में एडीजी (कानून-व्यवस्था) के बजाय पुणे में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कारागार) बनाया गया है.

गुप्ता पुणे के पुलिस आयुक्त थे और बुधवार को उनका तबादला कर दिया गया था. शनिवार को जारी एक स्वतंत्र आदेश में महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी रवींद्र शिखे को रेलवे पुलिस आयुक्त का पद भी सौंपा गया है.

मुंबई में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रूप में स्थानांतरित किए गए रंजन कुमार शर्मा को अब पुणे में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पूर्व) बनाया गया है.राज्य सरकार की ओर से जारी नए आदेश के अनुसार आईपीएस अधिकारी सुनील फुलारी को कोल्हापुर रेंज का आईजी बनाया गया है, जबकि संजय मोहिते को नवी मुंबई का संयुक्त सीपी नियुक्त किया गया है.

मनोज लोहिया होंगे पिंपरी चिंचवाड.के संयुक्त सीपी

मनोज लोहिया पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड,के संयुक्त सीपी होंगे और सुहास वारके आईजी (कानून व्यवस्था) होंगे.संजय दराडे को मुंबई में अतिरिक्त सीपी (विशेष शाखा) बनाया गया है, जबकि सुरेश मेगडे, कोङ्गसिडको' मुख्य सतर्कता अधिकारी का पद सौंपा गया है.गृह विभाग के आदेश में नवी मुंबई स्थित 'सिडको' के पद को कमतर किया गया है.

महाराष्ट्र के विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर नागपुर में सुरक्षा की गई चाकचौबंद

नागपुर : नागपुर में सोमवार से शुरू हो रहे महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के मद्देनजर सात हजार पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है. नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने शनिवार को कहा कि सत्र के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है.

उन्होंने पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा मजबूत की गई है. विधान भवन, जहां विधानमंडल के दोनों सदन की बैठक होती है, की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. आयुक्त ने कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास 'रामगिरी' और 'देवगिरी' की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है. इन तीनों जगहों पर बिना वैध फोटो पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा. कुमार ने कहा कि विधायक होस्टल और नाग भवन की भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. उनके मुताबिक, इन

तीन महीने के बच्चे को लेकर विधानसभा पहुंची राकांपा विधायक, सरोज बाबूलाल अहिरे

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर में राकांपा विधायक सरोज बाबूलाल अहिरे ने महिला सशक्तिकरण की जो मिशाल पेश की है, वह अब चर्चा का विषय बन गई है. दरअसल, सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान उन्होंने सभी को चौंका दिया। महिला विधायक अपने तीन महीने के बच्चे को लेकर विधानसभा पहुंचीं और सदन की कार्यवाही में भी हिस्सा लिया। विधायक सरोज ३० सितंबर को ही मां बनी थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण बीते २.५ वर्षों से नागपुर में कोई सत्र आयोजित नहीं किया गया था मैं अब एक माँ हूँ, लेकिन मैं अपने मतदाताओं के सवालों के जवाब लेने विधानसभा आई हूँ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की विधायक सरोज बाबूलाल अहिरे अपने नवजात बच्चे को लेकर महाराष्ट्र विधानसभा पहुंचीं। सरोज बाबूलाल अहिरे ३० सितंबर को मां बनीं और आज महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने के लिए पहुंची थी। इसी दौरान विधायक सरोज के हाथ में बच्चा देख हर कोई दंग रह गया।

वन' व 'क्विक रिस्पांस टीम' (क्यूआरटी) के कमांडो और सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है. चौबीस घंटे प्रभावी निगरानी के



मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन ड्रग्स तस्करो को दबोचा, १३५ लाख की ड्रग्स बरामद



मुंबई : मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने दो अलग-अलग मामलों में तीन ड्रग्स तस्करो को गिरफ्तार किया है. मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की वर्ली यूनिट ने मझगांव इलाके से एक नाइजीरियाई ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से एमडी और मेथामफेटामाइन ड्रग्स जब्त किया है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत ३५.३० लाख रुपये आंकी गई है. पुलिस ने ड्रग पेडलर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है.

ड्रग तस्करी का एक दूसरा मामला मुंबई के बांद्रा से सामने आया है. मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की बांद्रा यूनिट ने दो ड्रग्स तस्करो को गिरफ्तार किया है और

उनके पास से ५०० ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है जिसकी कीमत १ करोड़ रुपए बताई जा रही है. दोनों तस्करो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच में जुट गई है.

भारत सहित महाराष्ट्र में ड्रग्स तस्करी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. चार दिन पहले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की मुंबई जोनल यूनिट ने एक अंतर-राज्य मादक पदार्थ तस्करी रैकेट का भंडाफोड़. करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से १५ लाख रुपए की ड्रग्स जब्त की थी. चार दिनों तक चले इस ऑपरेशन में एनसीबी के अधिकारियों ने मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई में विभिन्न स्थानों

पर छापे मारे और एक महिला सहित पांच व्यक्तियों के कब्जे से १.४०० से अधिक कोडीन आधारित खांसी की दवाई (सीबीसीएस) की बोतलें और ६,००० नाइट्राजेनम की गोलिएं जब्त की थी.

ड्रग्स तस्करी का गैंग केवल मुंबई में ही नहीं पंजाब, असम और देश के अलग-अलग राज्यों में भी सक्रिय है. नेशनल काइम रिर्काई ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल ड्रग्स तस्करी के मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत सबसे अधिक मामले १०४३२ उत्तर प्रदेश में दर्ज हुए हैं, इसके बाद दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र (१०,०७८) और ९,९७२ मामलों के साथ पंजाब तीसरे नंबर पर है.

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर जेब हुई ढीली

मुंबई : ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ महाराष्ट्र ट्रैफिक पुलिस कड़ा एक्शन ले रही है. मिली जानकारी के अनुसार आरटीओ की फ्लाईंग स्कॉड ने इस महीने अब तक मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर ओवर-स्पीडिंग और लेन तोड़ने को लेकर १३०० वाहनों के चालान या यातायात उल्लंघन के नोटिस जारी किए हैं. महाराष्ट्र मोटर वाहन विभाग द्वारा जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि फ्लाईंग स्कॉड ने ओवर स्पीडिंग के लिए २६८, लेन तोड़ने के लिए ४४८ गलत दिशा में ड्राइविंग करने के लिए २१८ और सीटबेल्ट के बिना ड्राइविंग करने के लिए ३६४ अन्य लोगों के चालान किए हैं.

विभाग ने कहा कि यह कार्रवाई वर्तमान में चल रहे विशेष सुरक्षा अभियान के तहत की गयी. विभाग ने दुर्घटनाएं कम करने और वाहन चालकों में यातायात के नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से १ दिसंबर को इन दोनों हाइवे (मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे व और ओल्ड हाइवे) पर इस सड़क सुरक्षा अभियान की शुरुआत की थी. ये दोनों एक्सप्रेसवे वे मुंबई और पुणे को एक-दूसरे से जोड़ते हैं.

पुराने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे (एनएच-४८) की बात करें तो इस दौरान फ्लाईंग स्कॉड ने लेन तोड़ने को लेकर ५७ चालान, सीटबेल्ट न पहनने को लेकर १६२, ओवर स्पीडिंग को लेकर ९५ और गलत दिशा में पार्किंग के लिए ४७ लोगों के चालान किये थे.

दोनों हाइवे पर की गई ६ उडनदस्तों की तैनाती

आरटीओ ने १ दिसंबर से ७ दिसंबर के बीच सात दिवसीय जागरूकता अभियान के बाद ड्राइव के हिस्से के रूप में एक्सप्रेसवे और हाइवे के विभिन्न हिस्सों में ६ उडनदस्तों को तैनात किया है. जर्मनी को लेकर जानकारी देते हुए उप परिवहन आयुक्त (सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ) भरत कालसर्कर ने कहा कि बिना सीटबेल्ट को लेकर जर्मनी के रूप में ५००, गलत दिशा में पार्किंग के लिए ५००, लेन तोड़ने को लेकर १०००, कार की ओवर स्पीडिंग को लेकर २००० और दोपहिया वाहन की ओवर स्पीडिंग कोलेकर १००० रुपए वसूल जा रहे हैं.



सारे जमाने को साथ लेकर चल रहे राहुल गांधी : कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

नई दिल्ली : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अलवर में पत्रकारों से मुखातिब हुए. इस दौरान खरगे ने कहा कि, 'राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जनसमाज जुड़ रहा है. राहुल गांधी सारे जमाने को साथ लेकर चल रहे हैं. ऐसा लग रहा है कि, २०२४ में लोकसभा चुनाव हम जीतेंगे.'

खरगे ने आज चीनी हरकतों के बारे में बात करते हुए भी केंद्र के सत्ताधारी दलें सत्ताधारी पर सवाल उठाए. खरगे ने कहा कि चीन आक्रमण कर रहा है और सरकार सियासी दलों के साथ चर्चा करने के लिए भी तैयार नहीं है. खरगे बोले कि सरकार चीन पर चर्चा से भागती है. अरुणाचल प्रदेश में इतनी बड़ी घटना हुई लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह महज एक पेज का बयान देते हैं।

सरकार का बर्ताव चूहे जैसा

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चीन पर सरकार क्या कर रही है, यह सरकार को हमें बताना चाहिए. उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने जब चीन के बारे में बोला तो बीजेपी वाले उल्टे हम पर सवाल उठाने लगे. मैं कह रहा हूं कि राहुल गांधी और कांग्रेस देश के साथ हैं. आप चीन पर चर्चा तो करें. सरकार चीन पर चर्चा से भागती है. चीन हम



पर आक्रमण कर रहा है और सरकार चर्चा के लिए ही तैयार नहीं है. खरगे ने यहां तक कहा कि सरकार चूहे जैसा बर्ताव करती है.

कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि हमारी सरकार पर क्या हो रहा है, सब कोई देख रहा है. वहां समस्या काफी ज्यादा है. यह सबको पता होगा कि पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रध्यक्ष के साथ झूले में बैठ कर खेल रहे थे. अब क्या हो रहा है. चीन हमलावर हो गया है. वो युद्ध की तैयारी कर रहा है.

उन्होंने कहा कि हम चीन के आक्रमण पर चर्चा चाहते हैं लेकिन वह (सरकार) चर्चा के लिए तैयार नहीं है. वह बाहर शेर जैसे बात करते हैं लेकिन असल में वह चूहे की चाल चलते हैं. हम देश के साथ हैं, लेकिन सरकार जानकारी छुपा रही है.

खरगे ने कहा कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी सारे जमाने को साथ लेकर चल रहे हैं, लेकिन बीजेपी धर्म के नाम पर लोगों को आपस में लड़ा रही है. मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी की इस यात्रा को देखकर ऐसा लगता है कि २०२४ में कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव जीतेगी. उन्होंने कहा कि अभी हम चाहते हैं कि, सरकार सरकार पर हुई घटना के बारे में चर्चा करे. आखिर पीएम क्यों कुछ बोलने को तैयार नहीं है.

बिहार में भी निकलेगी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है. बिहार में भी कांग्रेस अगले साल ऐसी यात्रा निकालेगी. इस बारे में बताया गया है कि बांका से ५ जनवरी, २०२३ को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू होगी. तब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद होंगे.

बिहार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा की सफलता को हाथ-से-हाथ जोड़ो अभियान के दौरान बिहार के घर-घर तक पहुंचाया जाएगा.

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला १९७ जिलों में होगा



नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वृष्टिकोण के तहत कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) स्किल इंडिया मिशन के तहत भारत के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से १२ दिसंबर, २०२२ को देश भर में २५ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के १९७ स्थानों पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) आयोजित करेगा।

स्थानीय युवाओं को शिक्षुता प्रशिक्षण के माध्यम से उनके करियर को मूर्त रूप देने का अवसर प्रदान करने के लिए इस मेले का हिस्सा बनने के उद्देश्य से कई स्थानीय उपक्रमों तथा व्यवसायिक संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है। यह महत्वपूर्ण आयोजन विभिन्न क्षेत्रों की अनेक कंपनियों की पारस्परिक भागीदारी का साक्षी बनेगा। मेले में हिस्सा लेने वाली कंपनियों के पास एक ही मंच पर संभावित प्रशिक्षुओं से मिलने और आवेदकों को मौके पर ही चुनने तथा उन्हें अपने संगठन का हिस्सा बनाने का अवसर प्रदान करने का मौका मिलेगा।

मेले में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार <https://www.apprenticeshipindia.gov.in/> पर जाकर मेले के लिए पंजीकरण करा सकते हैं और मेले में पहुंचने हेतु अपने निकटतम केंद्र का पता लगा सकते हैं। जिन उम्मीदवारों ने कक्षा ५ से कक्षा १२ पास की है और जिनके पास कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र है, या ऐसे लोग जो आईटीआई डिप्लोमा धारक या स्नातक हैं, वे भी इस प्रशिक्षुता मेले में अपनी भागीदारी के लिए आवेदन कर सकते

हैं। उम्मीदवारों को अपने रिज्यूमे की तीन प्रतियां, सभी मार्कशीट और प्रमाणपत्रों की तीन प्रतियां, फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड / ड्राइविंग लाइसेंस आदि) तथा तीन पासपोर्ट आकार के फोटो संबंधित केंद्रों पर ले जाने होंगे।

जिन उम्मीदवारों ने पहले ही अपना नामांकन कर लिया है, उनसे सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने का अनुरोध किया गया है। इस मेले के माध्यम से, उम्मीदवार राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) से मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र भी प्राप्त करेंगे, जिससे प्रशिक्षण मिलने के बाद उनकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता के संबंध में कहा है कि आज के युवाओं के लिए कौशल तथा प्रशिक्षुता के अवसरों के मामले में भारत की तुलना अक्सर अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं से की जाती है। उन्होंने कहा कि इस अंतर को पाटने के लिए, हम प्रशिक्षुओं और विद्यार्थियों के लिए अप्रेंटिसशिप के अवसरों को उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमें पिछले महीने आयोजित किये गए प्रशिक्षुता मेले के दौरान उन संभावित युवाओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जो कड़ी मेहनत करने, देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देने और देश के भविष्य को आकार देने में सहायता करने के लिए उत्सुक हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

कंपनियों को अधिक प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नियोजताओं को सही प्रतिभा की खोज करने तथा प्रशिक्षण एवं व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से उनकी क्षमता विकसित करने में सहायता करना है। प्रशिक्षुता से उच्च शिक्षा तक विश्वसनीय मार्ग तैयार करने के अलावा शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र में शिक्षुता को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है।

श्री अतुल कुमार तिवारी ने कहा कि हम युवाओं को अनेक अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और हमारा लक्ष्य वर्ष २०२२ के अंत तक भारत में अप्रेंटिसशिप के अवसरों को १० लाख तथा २०२६ तक ६० लाख तक बढ़ाना है।

देश में हर महीने प्रशिक्षुता में लों का आयोजन किया जाता है, जिसमें चयनित उम्मीदवारों को नए कौशल प्राप्त करने के लिए सरकारी मानदंडों के अनुसार मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। अप्रेंटिसशिप को कौशल विकास का सबसे टिकाऊ मॉडल माना जाता है और स्किल इंडिया मिशन के तहत इसे काफी बढ़ावा दिया जा रहा है।

सरकार अप्रेंटिसशिप द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से प्रति वर्ष १० लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने का प्रयास कर रही है और इस मिशन को पूरा करने के लिए पीएमएनएएम का उपयोग प्रतिष्ठानों एवं प्रशिक्षुओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक मंच के रूप में किया जा रहा है। यह मेले में हिस्सा लेने वाली कंपनियों में उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर युवाओं को जागरूक भी कर रहा है।

प्रत्येक साल की तरह इस बार भी ठंड में बोकारो की रैनक बढ़ाता साइबेरियन पक्षी

बोकारो : ठंड शुरू होते ही झारखण्ड राज्य के बोकारो के विभिन्न जलाशयों में प्रवासी पक्षियों का आना शुरू हो गया है और कुछ दिखे भी जा रहे हैं यह सिलसिला अभी लगातार जारी रहने वाला है। ये पक्षी साइबेरियन पक्षी होते हैं। बोकारो के कूलिंग पोंड, गरगा डैम, तेनुघाट डैम और पिंडाजोरा स्थित गवाई डैम में इन्हें खास तौर पर देखा जाता है बल्कि बोकारो शहर की कुछ तालाबों में भी यह पक्षी देखे गए हैं जैसा सेक्टर वन सी में रहने वाले कुछ पुराने व्यक्तियों जो तालाब के आसपास सालों से रहते आ रहे हैं उनका कहना है जब यह तालाब पहले जीवित अवस्था में था तो साइबेरियन पक्षी यहां दिखा करते थे, हालांकि अभी वह तालाब सूख गया है कुछ कारण से, लेकिन बीएसएल प्रशासन पुनह उसे पुनर्जीवित करने में लगा हुआ है ताकि साइबेरियन क्रेन का यहां पहले की तरह आवक बने, इसके लिए साइबेरियन पक्षी को वह वातावरण पहले की तरह दिया जा सके इसीलिए बीएसएल मैनेजमेंट विशेष रूप से तालाब को सजाने संवारने में भी लगा हुआ है। इसके बनने से शहर की सुंदरता को फिर से एक बार रैनक बढ़ सकती है। इस



बारें में बीएसएल के मीडिया प्रभारी सा जन संचार संपर्क प्रमुख श्री एमके धान जो तालाब के जस्ट बगल में ही रहते हैं काफी उत्साहित है और उन्होंने बताया बीएसएल प्रबंधन हर वह वातावरण बनाने की कोशिश कर रहा है जिससे साइबेरियन क्रेन यहां पुणआ सके और शहर को टूरिस्ट प्लेस के रूप में भी बनाया जा सके

इसके लिए बोकारो इस्पात प्रबंधन कोई कसर नहीं छोड़ेगा। विदित हो कि साइबेरियन पक्षी ठंड से बचाव व आहार की तलाश में हजारों किलोमीटर दूर से यहां आते हैं।

दरअसल, ये पक्षी यूरोप विशेषकर साइबेरिया से यहां आते हैं, वहां ज्यादा ठंड और और ठंड के समय वातावरण माइनस से भी काफी

नीचे चले जाने के कारण सारे कुछ पर बर्फ जम जाता है और यह बर्फ जमने के कारण उनके लिए भोजन में कमी हो जाती है। इस कारण यूरोप मध्य एशिया से पक्षियों की यह प्रजाति दक्षिण एशिया के देशों में प्रवास पर जाते हैं, जलीय पौधा व जलीय जीव इनके मुख्य आहार हैं। बोकारो के जलाशयों में सबसे ज्यादा

यूरेशियन गौरिया और रोजी पेलिकन नामक पक्षी देखे जाते हैं।

पक्षियों को सावधानी से देखें

बोकारो के विभिन्न जलाशयों में इनकी अठखेलियां देखने आसपास के लोग पहुंचते हैं। आमतौर पर ये पक्षी बहुत ही शर्मीले होते हैं। इसलिए इन्हें काफी सावधानी से देखना होता है। थोड़ी-सी आहत होने पर उड़ जाते हैं। सुबह ८ से शाम के ५ बजे तक इन्हें पानी में देखा जा सकता है। रात्रि विश्राम के लिए ये जलाशय से निकलकर पास के जंगल के पेड़ों पर चले जाते हैं।

रंग-बिरंगे पंछी

शहर की विभिन्न डैम हो या तालाब या पोखर के समीप रहने वाले लोग बताते हैं कि हर साल हम इनका बेसब्री से प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि यह पूरे वातावरण को काफी मनमोहक एवं सुंदर बना देते हैं क्योंकि ये रंग-बिरंगी होते हैं। ये प्रत्येक साल ठंड के मौसम में यहां आते हैं और ठंड खत्म होते ही लौट जाते हैं। एक तरह से ये हमारे मेहमान भी होते हैं। उनके आने पर हम लोग भी विशेष रूप से उनका ध्यान रखते हैं कि कोई उन्हें चोट ना पहुंचाएं या शिकार ना करें।

शिक्षकों की मांगों से मुख्यमंत्री को अवगत कराउंगा : खंडेलवाल

बैतूल : समग्र शिक्षक संघ ने शिक्षकों की पदनाम से संबंधित को लेकर पूर्व सांसद और अध्यक्ष कुषाभाऊ ठाकरे जन्म शताब्दी समारोह समिति मग्न ने हेमन्त खण्डेलवाल से भेंट की। संघ के प्रतिनिधि मंडल ने श्री खंडेलवाल को अवगत कराया है कि प्रदेश में कार्यरत शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के लगभग ८५००० पुराने संवर्ग के नियमित शिक्षकों को २५ से ४० वर्ष कि सेवा करते हुए एक ही पद से लगातार सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं। किन्तु सेवाकाल में एक भी पदोन्नति प्राप्त नहीं हो पाई है। पदोन्नति का लाभ प्राप्त नहीं होने से वरिष्ठ शिक्षक के आत्म सम्मान को ठेस पहुंच रही है। संगठन द्वारा अवगत कराया गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा २३ दिसम्बर २०१७ को नियमित शिक्षकों को पदनाम दिए जाने कि घोषणा की गई। जबकि अन्य विभाग के कर्मचारियों को पदनाम का लाभ शासन द्वारा प्रदान किया गया है।

संगठन ने मांग की है यदि वनस्टेपअप पदनाम प्रदान किया जाता है तो शासन पर किसी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा। श्री खण्डेलवाल द्वारा संगठन को आश्वासन दिया कि पुराने नियमित शिक्षकों की मांग को मुख्यमंत्री एवं स्कूल शिक्षा मंत्री से भेंट कर उनके द्वारा अवगत कराया जाएगा। भेंट में संगठन की ओर से प्रांतीय उपाध्यक्ष उत्तमराव ठाकरे, प्रांतीय महामंत्री नारायणसिंह नगदे, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू, जिला महामंत्री नेमीचंद मालवीय, ब्लाक अध्यक्ष बैतूल कमलेश खासदेव, कोषाध्यक्ष बेनीप्रसाद सुरजाये, संभागीय महामंत्री ललित दीपके, धनराज उपासे, श्रीमती संस्था तायवाड़े, जीआर कनाठे, राजेश महाते, रामू राठौर, अफाज बक्स, सुरेश राठौर, रूपेन्द्र स्वर्णकार, कमलेश घिड़ोडे, मुंशीलाल धुर्वे, अनिल पाटने, नरेन्द्र मालवी, नंदकिशोर उबनारे, श्रीराम पंगार, भास्करराव मानकर, रविकिरण तायवाड़े अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।



नितीन गडकरी ने किया २,४४४ करोड़ की सात राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितीन गडकरी ने मध्य प्रदेश के रीवा में २०४ किलोमीटर की कुल लंबाई वाली २,४४४ करोड़ रुपये की ७ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री श्री गोपाल भार्गव, रीवा से सांसद श्री जनार्दन मिश्रा, सीधी से सांसद श्रीमती रीति पाठक, सांसद गणेश सिंह, मध्य प्रदेश सरकार के अन्य मंत्री एवं सभी सांसद-विधायक तथा अधिकारीगण मौजूद थे।

श्री गडकरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चुरहट सुरंग और बाईपास बनने से रीवा से सीधी के बीचकी दूरी ७ किलोमीटर कम हो गई है। अब यह सफर दार्द घंटे की बजाय ४५ मिनट में ही पूरा किया जा सकेगा। इसके साथ ही मोहनिया घाट को पार करने में ४५ मिनट के स्थान पर अब सिर्फ ४ मिनट का समय ही लगेगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सुरंग के निर्माण से रीवा-सीधी खंड में वाहनों की आवाजाही में सुविधा होगी और सफेद बाघों एवं अन्य जंगली जानवरों तथा पूरे वन पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की जा सकेगी। देवतालाब-नईगाँई सड़क के बनने से

रीवा जिले का प्रयागराज और वाराणसी तक आवागमन आसान हो जाएगा।

श्री नितीन गडकरी ने कहा कि सतना-बेला चार-लेन सड़क के निर्माण से इस क्षेत्र में कोयला, सीमेंट और हीरा उद्योगों के लिए कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के तैयार हो जाने के बाद सतना से रीवा तक का सफर ४० मिनट में पूरा किया जा सकेगा और झांसी, ओरछा, खजुराहो, पन्ना तथा सतना जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंचना सरल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों और अन्य छोटे उद्यमियों की बाजार तक सुविधापूर्ण पहुंच सुनिश्चित होगी जिससे समय व ईंधन की बचत होगी।

इस अवसर पर श्री गडकरी ने रीवा-सीधी सड़क को चार लेन करने की मांग को स्वीकृति प्रदान करते हुए इसे चौड़ा करने की घोषणा की। उन्होंने रीवा के १९ किलोमीटर लंबे २ लेन बायपास को ४ लेन का करने का भी एलान किया।

उन्होंने कहा कि इस बाइपास के चौड़ा होने से सतना से चोरहाट होते हुए प्रयागराज-वाराणसी का बेहतर सड़क संपर्क बहाल हो जाएगा।

श्री नितीन गडकरी ने रीवा में

मध्य प्रदेश की पहली १६०० करोड़ रुपये की लागत से २.२८ किलोमीटर लंबी ६-लेन वाली दोहरी सुरंग और १३ किलोमीटर ४-लेन बाईपास का भी उद्घाटन किया।

एनएटीएम पद्धति से बनी यह दोहरी सुरंग ३०० मीटर में एक-दूसरे से मिलती है, जिससे यातायात में कोई बाधा नहीं आएगी। मोहनिया घाटी में घुमावदार मोड़ होने की वजह से वाहनों के चलने में अधिक समय लगने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती थी, जो इस सुरंग के बनने के साथ ही समाप्त हो गई है। इस सुरंग में २०० मीटर की दूरी पर एक्जैस्ट चैन, ऑप्टिकल फाइबर लीनियर आईटी डिटेक्शन प्रणाली, आग से बचाव का सिस्टम, कंट्रोल रूम, कैमरा और फोन सेवा जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

यहां पर भारत का पहला कृत्रिम जल सेतु है, जिसके नीचे सुरंग और ऊपर बाणसागर नहर है तथा इसके ऊपर पहले की सड़क भी बनी हुई है। इस सुरंग में एक बड़ा और एक छोटा पुल, एक आरओबी, एक ओवरपास, एक अंडरपास, ४ नहर क्रॉसिंग, ११ बॉक्स पुलिया और २० पुलिया का निर्माण किया गया है।

शाम होते ही सिर पर मच्छरों को झुंड क्यों मंडराने लगता है ?

आप शाम के समय कहीं बैठे या खड़े होते हैं तो आपके सिर के ऊपर मच्छरों का झुंड मंडराने लगता है। ऐसा ज्यादातर खुली जगह में होता है। इसमें सबसे ज्यादा आश्चर्य की बात तो ये है कि उनमें से ज्यादातर मच्छर हमें काटते भी नहीं हैं। सिर्फ सिर पर मंडराने रहते हैं। आज अपने इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसके बारे में दिलचस्प जानकारी देंगे कि मच्छर ऐसा क्यों करते हैं...

असल में इंसान जब सांस लेता है तो वह कार्बन डाइऑक्साइड गैस छोड़ता है। इसी कार्बन डाइऑक्साइड गैस से आकर्षित होकर मच्छर हमारे सिर के ऊपर मंडराने लगते हैं। इसके अलावा इसकी एक दूसरी वजह पसीना भी

है। पसीने में पाए जाने वाले ऑक्टैनल नाम के रसायन के प्रति आकर्षित होकर भी मच्छर सिर के ऊपर मंडराने लगते हैं। शरीर की तुलना में पसीना सिर पर ज्यादा देर तक रहता है। यही कारण है कि मच्छर सिर के ऊपर ही मंडराने हैं बाकी शरीर पर नहीं।

सारे मच्छर नहीं काटते हैं

मच्छरों के इतने बड़े झुंड के सिर के ऊपर मंडराने के बावजूद भी उनमें से ज्यादातर मच्छर हमें काटते नहीं हैं। यह दिलचस्प बात है कि इतने सारे मच्छरों में सिर्फ कुछ ही मच्छर हमें काटते हैं बाकी नहीं। दरअसल, सिर्फ मादा मच्छर ही काटती हैं।

तपोभूम उज्जैन में मिली चौतीस पुरातन प्रतिमाएँ



भगवान महावीर तपोभूमि सिद्ध क्षेत्र उज्जैन (मध्यप्रदेश) में व उसके आस-पास के स्थानों से ३४ पुरातन जिन प्रतिमाएँ प्राप्त हुई हैं। इनमें अधिकतर प्रतिमाएँ खण्डित हैं। कुछ के केवल परिकरों के अंश ही हैं किन्तु ये बहुत महत्वपूर्ण प्रतिमाएँ हैं। अधिकतर प्रतिमाएँ तीर्थंकर और तीर्थंकरों से संबद्ध शासन देवी-देवताओं की मूर्तियाँ हैं।

दिनांक २६ नवम्बर २०२२ तपोभूमि प्रणेता जैन आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी मुनिराज ने इन प्रतिमों के सर्वेक्षण व पहचान व समय ज्ञात करने हेतु पुरातत्वविदों को आमंत्रित किया था। जिनमें डॉ. नरेश पाठक-पूर्व पुरातत्व सर्वेक्षक

डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज' मध्य प्रदेश, डॉ. रमेश यादव-पुरातत्व सर्वेक्षण अधिकारी- भोपाल, डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', जैन संस्कृति शोध संस्थान- इन्दौर, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह जोधा-शोधधिकारी, वाकणकर पुरातत्व शोध संस्थान- भोपाल और डॉ. नवीन जी- पुरातत्व विभाग, भोपाल प्रमुख हैं।

यहां प्राप्त प्रतिमाओं में दो मूर्तियों के पादपीठ पर प्राचीन देवनागरी लिपि में प्रशस्ति है। एक में संवत् है १२... सौ स्पष्ट है। दूसरी प्रतिमा की प्रशस्ति के साथ शंख लांछन भी स्पष्ट है।

आचार्य पुष्पदंत सागर जी के

प्रखर शिष्य आचार्य प्रज्ञासागर ने डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज' को बताया कि इन प्रतिमाओं का पुरातत्व विभाग द्वारा सर्वेक्षण और पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो गया है। सर्वेक्षण के उपरान्त इन्हें भगवान महावीर तपोभूमि सिद्ध क्षेत्र उज्जैन के संग्रहालय की आर्ट गैलरी में स्थाई रूप से प्रदर्शित किया जायगा। आचार्य श्री ने बताया कि भगवान महावीर का प्रभाव क्षेत्र होने से यहाँ निकटवर्ती क्षेत्रों में भी पुरातन जैन प्रतिमाओं व उनके अवशेष प्राप्त होने की संभावना है। यहां शीघ्र ही एक शोध केन्द्र की स्थापना हो रही है, जिसके लिए विशाल पुस्तकालय स्थापित कर लिया गया है।

हीरापुर के खेत में मिली प्राचीन जिन प्रतिमा

दिनांक ३० नवंबर २२ को शाम ५ बजे हीरापुर मध्यप्रदेश में खेत की जुताई के दौरान खेत में प्राचीन जिन प्रतिमा मिली थी। रैकवार समाज की मुलिया बाई रैकवार, लल्लू, रमेश रैकवार और मोहन प्रजापति अपने खेत में कार्य कर रहे थे जुताई के दौरान उन्हें पत्थर अटक रहा था खेत से अलग करने के लिए रैकवार परिवार ने उसे बाहर निकाला तो वह एक जिन प्रतिमा थी। सूचना प्राप्त कर गांव के बहुत से लोग वहां एकत्रित हो गये। इस परिवार ने उसे पानी से साफ करके कहा वे हमेशा इसकी पूजा करेंगे, उन्हें देवता मिले हैं। किन्तु जब देखा कि यह तीर्थंकर महावीर की प्रतिमा है तब जैन समाज ने उसे समाज को सौंपने का निवेदन किया। पहले तो रैकवार परिवार प्रतिमादेने को तैयार नहीं हुआ, किन्तु उन्हीं की समाज के बुजुर्ग लोगों ने समझाया की यह तो महावीर की मूर्ति है वे लोग क्या करेंगे, तब रैकवार परिवार ने हीरापुर जैन समाज के के श्री अभय जैन, गुलाब चंद्र जैन, ऋषभ जैन, अमर चंद्र जैन, राजू जैन, पवन जैन, सौरभ बड़े आदि पंचों को यह प्रतिमा सपुर्पद कर दी।

उक्त जानकारी पण्डित वीरेन्द्र कुमार जैन शास्त्री हीरापुर मो ७५०९१८०१८७ ने डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर को देते हुए बताया कि प्रतिमा को स्थानीय जैन मंदिर में स्थापित कर दिया गया है। पाषाण की पद्यासन, कमलासनस्थ इस प्रतिमा के पादपीठ पर सिंह का लांछन है।



बेहतर सेहत और कई फायदों के लिए पिएं हल्दी का जूस



सेहत के साथ-साथ सौंदर्य संबंधी लाभ भी प्रदान करेगा। यह रक्त को शुद्ध करने में भी सहायक है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए भी एक बेहतरीन उपाय है।

- कच्ची हल्दी में कैसर से लड़ने के गुण होते हैं।
- यह प्रोस्टेट कैसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में उपयोगी है, खासकर पुरुषों में।
- यह हानिकारक विकिरण के संपर्क में आने वाले ट्यूमर से भी बचाता है।

- यह सूजन, गठिया, फ्री रेडिकल्स और जोड़ों के दर्द के लिए फायदेमंद है।
- इंसुलिन के स्तर को संतुलित रखता है और मधुमेह में लाभकारी है।
- इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।
- इसमें सोरायसिस जैसे त्वचा रोगों से बचाव के गुण होते हैं।
- प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।
- हल्दी में वजन घटाने के गुण होते हैं।
- शोध से साबित होता है कि हल्दी लीवर को भी स्वस्थ रखती है।

हल्दी का उपयोग लंबे समय से दवा के रूप में किया जाता रहा है और इसका बहुत अध्ययन किया गया है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने और रक्त को शुद्ध करने के लिए हल्दी का उपयोग अद्वितीय है। यह शरीर के हर अंदरूनी हिस्से के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। आप इसे कई तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं, जिनमें से एक है हल्दी का जूस।

बनाने की विधि -
हल्दी का जूस बनाने के लिए आपको चाहिए, कच्ची हल्दी या हल्दी पाउडर, नींबू और नमक का एक टुकड़ा। पकाने की विधि - इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले आधा नींबू निचोड़ कर मिक्सर या ब्लेंडर में हल्दी और नमक मिला लें। अब इस मिश्रण में आवश्यकतानुसार पानी डालकर इसका सेवन करें। यह ठंडे मिजाज वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, जो

इस विंटर सीजन इन ३ चीजों को डाइट में करें शामिल

सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है। विंटर सीजन अधिकतर लोगों को पसंद होता है इस मौसम में खाने जाने वाले फूड की वजह से। सर्दियों में ताजी सब्जियों व फलों की बहुत सी वेरायटीज आपको मिल जाती हैं। टॉप विंटर फूड्स उन्हें कहा जा सकता है जो कोल्ड डेज के दौरान गमी प्रदान करें, स्वादिष्ट हों और इसके साथ ही जिनसे शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स भी मिलें। कुछ चीजें विंटर सीजन की बहुत प्रसिद्ध हैं जिसे हर कोई खाना पसंद करता है जैसे सरसों का साग, गाजर का हलवा, मूंगफली, हरी सब्जियां आदि। इनके अलावा भी कुछ चीजें हैं जिनका सेवन विंटर सीजन में करना बेहद लाभदायक है।

शलगम एक कृसीफेरस (Cruciferous) वेजिटेबल है, जिसके कई फायदे हैं। सर्दियों में मिलने वाली इस सब्जी में लिपिड्स होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल और वजन भी सही रहता है। ब्लड प्रेशर को कम करने और आंखों के लिए भी यह लाभदायक है।

ग्रीन गार्लिक (Green garlic)
ग्रीन गार्लिक को सिंग्रिंग गार्लिक भी कहा जाता है, ग्रीन गार्लिक (ham bhgwZ) पूरी तरह से ग्री नहीं हुआ होता। इसे पूरी तरह से ग्री होने से पहले ही जमीन से बाहर निकाल दिया जाता है। विंटर सीजन में इसका सेवन करना बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें एलिसिन (Allicin) नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कोल्ड, खांसी और फ्लू से बचाता है और शरीर की सूजन को कम करता है। इसके साथ ही इससे इम्युनिटी बढ़ने में भी मदद मिलती है।

गोद (Goond)
गोद प्लांट्स से प्राप्त होने वाला एक प्राकृतिक पदार्थ है। सर्दियों में इसके लड्डू बेहद प्रचलित हैं। सर्द मौसम में इसके सेवन से शरीर गर्म रहता है। यह शरीर को कोल्ड, सीजनल वायरस इंफेक्शंस से भी बचाता है और सर्दियों में होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखता है। इससे भी इम्युनिटी बढ़ने में मदद मिलती है।

आयुर्वेद के अनुसार सुबह उठकर करें यह कार्य

१. सूर्योदय से पहले उठना

दिनाचार्य के अनुसार सूर्योदय से पहले उठना जरूरी है। सुबह ४.३० बजे से ५.०० बजे तक जागने का सबसे अच्छा समय माना जाता है। सुबह का समय वह समय होता है जब वात दोष प्रबल होता है और वातावरण में ऊर्जा आपके लिए जागना आसान बना देगी। साथ ही, यह दिन का वह समय होता है जब शरीर और आत्मा को शांति और ताजगी की बहुत आवश्यकता होती है। बिस्तर से उठने से पहले

२. अपनी चेहरे को ठंडे पानी से धो लें

आपको प्रार्थना करनी चाहिए क्योंकि इससे आपके मन और आत्मा में सकारात्मक ऊर्जा पैदा होगी।

३. अपनी इंद्रियों को साफ करना

अपनी सभी इंद्रियों को बढ़ाने के लिए सुबह में आपकी इंद्रियों को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए। आंखों को गुलाब जल से और कानों को तिल के तेल से धोएं। अपने दांतों को ब्रश करें और अपनी स्वाद कलियों को बढ़ाने और पाचन प्रतिक्रियाओं को उत्तेजित करने के लिए अपनी जीभ को साफ करें।

४. गर्म पानी पिएं

वैसे तो ज्यादातर लोग कैफीन का सेवन सुबह के समय करते हैं, लेकिन आयुर्वेद गर्म पानी पीने की सलाह देता है। यह क्रमाकुंचन को बढ़ाता है और किसी भी हानिकारक विषाक्त पदार्थों और मुक्त कणों के गुदों को भी बाहर निकालता है।

५. निवासन

निवासन आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। यदि यह नियमित रूप से नहीं किया जाता है या देर से किया जाता है, तो यह पाचन धीमा कर देता है और कब्ज पैदा करता है। इससे शरीर में हानिकारक टॉक्सिन्स बनते हैं जो पुरानी बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

सर्दी-जुकाम के घरेलू उपचार

मौसम बदलते ही सर्दी-जुकाम होना आम बात है। यह समस्या किसी को भी हो सकती है। अब सर्दी के मौसम में सर्दी लगना आम बात है। सर्दी आमतौर पर कुछ दिनों में अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन कभी-कभी यह अधिक समय तक रहती है। ऐसे में बहुत से लोग दवा लेते हैं, इसलिए सर्दी ठीक हो जाती है, लेकिन इसके वापस आने की संभावना रहती है। कभी-कभी सर्दी गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में घरेलू नुस्खों से सर्दी-जुकाम का समय पर इलाज कराने से जल्द राहत मिल सकती है।

यह सर्दी के शुरुआती दिनों की स्थिति है। इस अवस्था में सर्दी से पीड़ित व्यक्ति को अधिक कष्ट नहीं होता है। इस दौरान नाक बहना और हल्का जुकाम हो सकता है, जो जल्द ही ठीक होने की संभावना है।

जुकाम के कई कारण हो सकते हैं

- किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से भी सर्दी-जुकाम हो सकता है।
- संक्रमित व्यक्ति के छींकने पर बैक्टीरिया हवा में फैल जाते हैं।
- संक्रमित व्यक्ति ने जिन चीजों को छुआ है, उन्हें छूने से भी सर्दी-जुकाम हो सकता है।
- मौसम बदलने पर कुछ को सर्दी और फ्लू भी हो सकता है।
- जब प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है, तो यह कमजोर हो सकती है।
- ठंड या गीला होने पर भी सर्दी हो सकती है।

सर्दी के लक्षण-

बार-बार छींक आना, बंद नाक, बहती नाक, गला खराब होना, खांसी, गले में बलगम, नम आँखें, बुखार, कुछ भी

सूंघने में कठिनाई, सरदर्द, मांसपेशियों के दर्द, भूख में कमी

सर्दी के लिए घरेलू उपचार-

- गर्म पानी से गरारे करें-
- गर्म पानी में नमक डालें और अच्छी तरह मिलाएं।
- फिर उस पानी से गरारे करें।
- आप केवल गर्म पानी से गरारे कर सकते हैं।
- आप इसे दिन में दो बार तब तक कर सकते हैं जब तक आपको आराम महसूस न हो।

दही-

- इसे भोजन के साथ या भोजन से पहले या बाद में खाया जा सकता है।
- आप दिन में दो कप दही खा सकते हैं।

अदरक-

- अदरक को कद्दूस कर लें और फिर इसे गर्म पानी में कुछ मिनट के लिए उबाल लें।

- इसके बाद पानी को छानकर उसमें शहद मिला लें।
- अब इस अदरक की चाय का आनंद लें।
- दिन भर में दो-तीन कप अदरक की चाय पी जा सकती है।

लहसुन-

- लहसुन की कलियों को पीस लें।
- अब इसमें शहद मिलाकर खाएं।
- दिन में कम से कम दो बार इसका सेवन करें।
- इसके अलावा सब्जियों में भी लहसुन का इस्तेमाल किया जा सकता है।
- शहद-
- शहद का सेवन सीधे किया जा सकता है।



- आप रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में शहद मिलाकर पी सकते हैं।
- जब तक आपको आराम महसूस न हो तब तक आप दिन में कम से कम दो बार शहद का सेवन कर सकते हैं।

पैरों के दर्द के लिए आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

आजकल लंबे समय तक चलने या लंबे समय तक खड़े रहने के कारण लोगों को अपने पैरों और पैरों की मांसपेशियों में दर्द का अनुभव होता है। पैरों में दर्द रात में होता है, जिससे रात को सोना मुश्किल हो जाता है। अगर समय रहते इस समस्या का निदान नहीं किया गया तो यह समस्या आगे चलकर गंभीर समस्या का कारण बन सकती है। कुछ लोग दर्द निवारक दवाएं लेने लगते हैं जो उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं होती हैं। कुछ घरेलू उपायों को अपनाने से पैरों के दर्द से राहत मिल जाएगी।

पैरों के दर्द के कुछ घरेलू उपाय

सेब का सिरका - सेब का सिरका टांगों और टांगों की मांसपेशियों के दर्द से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद होता है। दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट पीने से दर्द में आराम मिलता है। साथ ही आप इसे सीधे दर्द वाली जगह पर भी लगा सकते हैं। आप अपने पैरों को टब में सेब के सिरके की कुछ बूंदों के साथ भी भिगो सकते हैं इससे पैरों के दर्द से राहत मिलेगी।

सर्सों टेल - पैरों के दर्द में आप सर्सों के तेल की मालिश कर सकते हैं, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा। पैरों के दर्द से जल्द पाएं राहत। इस घरेलू नुस्खे का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है।

गर्म पानी - गर्म पानी टांगों की मांसपेशियों और टांगों के दर्द में काफी मददगार होता है। आप गर्म पानी में नमक मिलाएं और अपने पैरों को भिगो दें। इस प्रक्रिया को करने से आपको दर्द से काफी राहत मिलेगी। यह एक बेहतरीन प्राकृतिक उपचार है।

मेथी का प्रयोग - मेथी दर्द को कम करने में भी कारगर है। एक चम्मच मेथी के दानों को रात भर भिगोकर रख दें और सुबह इसका सेवन करें। ऐसा करने से आपको पैर की मांसपेशियों और टांगों के दर्द से काफी राहत मिलेगी।

हल्दी - हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपके पैर की मांसपेशियों और पैरों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। गर्म



दूध में हल्दी मिलाकर पीने से भी दर्द से राहत मिलती है, इसके साथ ही आप हल्दी के पेस्ट को अपने पैरों पर भी लगा सकते हैं।

पूजा के अलावा और भी काम आता है कपूर

कपूर का प्रयोग ज्यादातर पूजा में किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष में भी इसके महत्व और उपयोग के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। लेकिन हम आपको बताते हैं कि कपूर का इस्तेमाल सिर्फ पूजा में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी किया जाता है।

प यदि आप घर में घुटन महसूस करते हैं, तो थोड़ा-सा कपूर ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने के लिए इसे पूरे घर में प्रसारित करें।



प अगर आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या है तो कपूर को नारियल के तेल में मिलाकर जड़ों में हफ्ते में दो बार

सूर्य नमस्कार एक ऐसा योगाभ्यास है, जो हमारे शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क को भी सेहतमंद रखने में मदद कर सकता है। अगर आप इसका रेगुलर अभ्यास करें तो आप बीमारियों से दूर रहने के साथ साथ आप बेहतर महसूस करेंगे। ट्रेडिशनल सूर्य नमस्कार की बात करें तो इसे १२ स्टेप में की जाती है और इसके हर स्टेप के मंत्र होते हैं, जिसे आप अभ्यास के साथ बोलते हैं। इसके करते समय पोजीशन, सांस लेने का तरीका, मंत्र, चक्र आदि पर ध्यान दिया जाता है। अगर आप सूर्य नमस्कार से पहले कुछ सूक्ष्मयाम आदि कर लें तो इसका हमारी सेहत पर अधिक प्रभाव देखने को मिलता है।

सावधानियां

- अभ्यास के समय अपने सांसों पर विशेष ध्यान दें।
- अगर आप हार्ट पेशेंट है तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही अभ्यास करें।
- कमर दर्द है तो पीछे ना झुकें। कम दर्द है तो ९० डिग्री तक ही आगे की तरफ झुकें।
- अपनी क्षमता के अनुसार ही

लगाएं, इसका जल्द ही आपकी डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी।

प सर्दी-खांसी के लक्षण होने पर कपूर के जलवाष्प का सेवन करने से आराम मिलता है।

प घर में खुला कपूर उसकी सुगंध रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर का वातावरण भी शुद्ध होता है।

प अगर आपके पैरों में लगातार सूजन या दर्द रहता है तो आप कपूर के इस्तेमाल से राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको कपूर और नमक के गर्म पानी से पैरों को सेंकना होगा।

अभ्यास करें.

ध्यान से करें शुरुआत
सबसे पहले अपने मैट पर पदासन में बैठें और ध्यान करने के लिए दोनों आंखों को बंद करें। अब ओम शब्द का उच्चारण करें और अपनी आती जाती सांसों पर ध्यान केंद्रित करें। इसके बाद आप कुछ सूक्ष्मयाम का अभ्यास करें।

इस तरह करें सूर्य नमस्कार

प्रणामासन :- अपने अपने मैट पर प्रणाम की मुद्रा बनाकर सीधा खड़े, हो जाएं। आपके दोनों पैर आपस में मिले होने चाहिए। अपनी कमर गर्दन सीधी रखें और सावधान की मुद्रा में रहें।

हस्तउत्तनासन :- अब गहरी सांस लेते हुए धीरे से दोनों हाथों को सिर के ऊपर ले जाते हुए पीछे की तरफ झुके। इस मुद्रा में कुछ देर होल्ड करने का प्रयास करें।

पादहस्तासन :- अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुकते हुए अपने हाथों से पैरों की उंगलियों को छूने का प्रयास करें। इस मुद्रा में आपका सिर घुटनों से मिलना चाहिए।

अश्व संचालनासन :- अब गहरी सांस लेते हुए दाहिने पैर को पीछे की तरफ ले जाएं और घुटने को जमीन पर रखते हुए दूसरे पैर को मोड़ें, अपनी हथेलियों को जमीन पर सीधा रखें और ऊपर सिर रखकर सामने की ओर देखें। गहरी सांस लें।

अष्टांग नमस्कार :- अब अपनी हथेलियों, सीना, घुटने और पैरों को जमीन से सटाएं। आपकी आंखें आगे की तरफ रहेंगी। अब इस अवस्था में सांस लेते हुए होल्ड करें।

भुजंगासन :- अब अपनी हथेलियों को जमीन पर अच्छी तरह से टिकाएं और पेट को जमीन से सटाते हुए शरीर के अगले हिस्से को आगे की तरफ उठाएं। गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं।

अधोमुख शवासन :- अब गहरी सांस लेते हुए अपने पैरों को जमीन पर सीधा रखें और अब कूहे को ऊपर की ओर उठा लें। अपने कंधों को सीधा रखें और मुंह को अंदर की तरफ रखें। अब चक्र को पूरा करने के लिए सारे स्टेड को रिपीट करें।

सेहत का खजाना : आंवला

आंवला एक फल भी है और औषधि भी। आयुर्वेद में बहुगुणी आंवला के महत्व के बारे में बताया गया है। यह सर्दियों का आम फल है। सर्दियों की शुरुआत यानी अक्टूबर-नवंबर में छोटा आंवला रसीला नहीं होता और शुक्राणु वृद्धि के मामले में भी मदद नहीं करता है। लेकिन दिसंबर के महीने में आंवला रसदार हो जाता है और इसमें शक्तिशाली रसायन होते हैं। आंवला के फल का उपयोग साल भर फल और औषधि के रूप में किया जा सकता है। इसका अचार, मुरब्बा, जूस, सुपारी, चूर्ण आदि तैयार कर हम विभिन्न प्रकार के रोगों की औषधि के रूप में प्रयोग कर सकते हैं।

विटामिन ऋसीख से भरपूर-आधुनिक रासायनिक विश्लेषण के अनुसार आंवला में किसी भी अन्य फल की तुलना में अधिक विटामिन सी होता है। विटामिन सी १०% संतरे और १०% से अधिक संतरे में पाया जाता है।

त्रिदोषनाशक- आंवला दिसंबर के महीने में रसदार हो जाता है और इसमें शक्तिशाली रसायन होते हैं। आंवला के फल का उपयोग साल भर फल और औषधि के रूप में किया



जा सकता है। इसका अचार, मुरब्बा, जूस, सुपारी, चूर्ण आदि बनाकर हम विभिन्न रोगों की औषधि के रूप में प्रयोग करते हैं।

आंवला कसैला और खट्टा होने के कारण पित्त, कफ और दस्त के लिए एक अच्छी औषधि है। इसलिए इसे त्रिदोषनाशक कहते हैं।

आंवला के अन्य गुण- आंवला बुढ़ापा नाशक, चेहरे की चमक बढ़ाने

वाला, वीर्यवर्धक, पाचन तंत्र, ज्वरनाशक, पेशियों और दांतों को मजबूत करने वाला, रक्त शोधक, नेत्रों को चमकाने वाला, बालों को काला करने वाला और मुलायम करने वाला, हृदय रोग, मधुमेह, सर्दी, खांसी, स्वनदोष, सफेद कोट आदि है। दक्ष। आंवला हजार बीमारियों की एक मात्र दवा है। आंवला बढ़ती उम्र की एक बेहतरीन औषधि है।



अर्जेंटीना ने ३६ साल बाद जीता विश्व कप

पेनल्टी शूटआउट में फ्रांस को हराया

दोहा : कतर में विश्व कप के फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में ४-२ से हराया। वह ३६ साल बाद विश्व कप जीतने में सफल रहा है। उसने १९७८ और १९८६ के बाद अब तीसरी बार खिताब को अपने नाम कर लिया है। निर्धारित ९० मिनट तक मुकाबला २-२ की बराबरी पर रहने के बाद एक्स्ट्रा टाइम में मैच पहुंच गया। वहां लियोनल मेसी ने एक गोल कर अर्जेंटीना को ३-२ से आगे कर दिया, लेकिन किलियन एम्बाप्पे के मन में कुछ और ही था। उन्होंने ११७वें मिनट में गोल कर मैच को ३-३ की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना ने मैच को अपने नाम कर लिया।

कतर का लुसैल स्टेडियम रविवार (१८ दिसंबर) को फुटबॉल के एक एतिहासिक मैच का गवाह बना। पेनल्टी शूटआउट तक चले मैच में अर्जेंटीना ने फ्रांस को ४-२ से हराकर विश्व कप अपने नाम कर लिया। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में एक लियोनल मेसी और युवा स्टार किलियन एम्बाप्पे ने अपने नाम के अनुस्प प्रदर्शन किया। मेसी ने दो तो एम्बाप्पे ने तीन गोल दागे।

लियोनल मेसी ने मैच में पहला गोल २३वें मिनट में पेनल्टी पर किया। वह एक विश्व कप के सभी नॉकआउट मैचों में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए। उनके बाद एंजेल डी मारिया ३६वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को २-० से आगे कर दिया। हाफटाइम तक अर्जेंटीना की टीम २-० से आगे थी। हाफटाइम के बाद दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन गोल



नहीं निकल पा रहे थे। ८० मिनट तक तो ऐसा लगा कि अर्जेंटीना अब मैच को आसानी से जीत लेगा, लेकिन किलियन एम्बाप्पे ने दो मिनट में दो गोल कर मैच को पलट दिया। उन्होंने ८०वें और ८१वें मिनट में गोल कर दिया।

निर्धारित ९० मिनट तक स्कोर २-२ की बराबरी पर रहने के बाद मुकाबला एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया। वहां दोनों टीमों को १५-१५ मिनट के दो हाफ मिले। लियोनल मेसी ने १०८वें मिनट में गोल कर मैच में अर्जेंटीना को ३-२ से आगे कर दिया। एक बार फिर लगा कि अर्जेंटीना जीत के करीब पहुंच गया है, लेकिन उसकी राह में किलियन एम्बाप्पे फिर से खड़े हो गए। उन्होंने ११७वें मिनट में गोल कर मैच को ३-३ की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया। वहां अर्जेंटीना ने मुकाबले को ४-२ से अपने नाम कर

लिया।
पेनल्टी शूटआउट से हुआ मैच का फैसला
अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंच गया था। निर्धारित समय में २-२ से

एमबाप्पे ने जीता गोल्डन बूट
१. किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस) - ८ गोल
२. लियोनल मेसी (अर्जेंटीना) - ७ गोल
३. ओलिवर जिर्स्ट (फ्रांस) - ४ गोल
४. जूलियन अल्वारेज (अर्जेंटीना) - ४ गोल

बराबरी पर रहने के बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा था। वहां लियोनल मेसी ने एक गोल कर अर्जेंटीना को ३-२ से आगे कर दिया। फिर किलियन एम्बाप्पे ने गोल कर मैच को ३-३ की बराबरी पर ला दिया। विश्व कप इतिहास में तीसरी बार चैंपियन का फैसला पेनल्टी शूटआउट में होगा। १९९४ में

ब्राजील और २००६ में इटली ने पेनल्टी शूटआउट में मैच जीता था। संयोग की बात है कि इटली ने फ्रांस को हराया था।

एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा मैच
अर्जेंटीना और फ्रांस के बीच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया है। निर्धारित ९० मिनट तक मुकाबला २-२ की बराबरी पर रहा। एक्स्ट्रा टाइम में दोनों १५-१५ मिनट के दो हाफ होंगे। अगर अगले ३० मिनट तक भी मैच बराबरी पर रहता है तो फिर विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट में होगा। मैच के पहले हाफ में लियोनल मेसी और एंजेल डी मारिया के गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने २-० की बढ़त हासिल कर रखी थी। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला अर्जेंटीना आसानी से जीत लेगा। तभी ८०वें और ८१वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दाग दिए। उनके गोलों की बदौलत फ्रांस मैच में वापस

आ गया।
मेसी ने किया अर्जेंटीना का तीसरा गोल
अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में शानदार गोल किया। उन्होंने १०८वें मिनट में गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। इस गोल की बदौलत अर्जेंटीना की टीम मैच में ३-२ से आगे हो गई है।
एम्बाप्पे ने किया तीसरा गोल
किलियन एम्बाप्पे ने ११८वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर फ्रांस को मैच में वापस ला दिया है। अब स्कोर ३-३ की बराबरी पर पहुंच गया है। अगर एक्स्ट्रा टाइम में भी नतीजा नहीं निकलता है तो मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में मैच पहुंच जाएगा।
मुकाबले का नतीजा पेनल्टी शूटआउट में निकाला गया जहां अर्जेंटीना ने फ्रांस की टीम को ४-२ से हराया।

‘कहने को कुछ बचा नहीं, धन्यवाद पुर्तगाल’

विश्व कप से बाहर होने के बाद रोनाल्डो की पहली प्रतिक्रिया

दोहा : पुर्तगाल का फीफा विश्व कप जीतने का सपना शनिवार को टूट गया जब टीम को क्वार्टर-फाइनल में मोरक्को से ०-१ से हार का सामना करना पड़ा। मैच का एकमात्र गोल मोरक्को के युसुफ एन-नेसरी ने ४२वें मिनट में हैडर से किया जो अंततः दोनों पक्षों के बीच अंतर बना रहा। पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो को लगातार दूसरे मैच में बेंच पर बैठाया गया और बाद में वह सब्सिट्यूट के तौर पर मैदान पर आए। हालांकि, वह कोई गोल करने और टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे।

विश्व कप से टीम के बाहर होने के बाद रोनाल्डो अकेले मैदान से बाहर गए और रोते हुए देखे गए। अब एक दिन बाद रोनाल्डो ने विश्व कप से बाहर होने और अनुभव को लेकर पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लंबा सा नोट लिखा है। ३७ वर्षीय स्टार फुटबॉलर अपने पूर्व क्लब मैनेचेस्टर यूनाइटेड के साथ-साथ पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम में खेलने को लेकर भी विवादों में रहे। हालांकि, उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि पुर्तगाल के प्रति



उनका समर्पण एक पल के लिए भी नहीं बदला। रोनाल्डो ने लिखा- पुर्तगाल के लिए विश्व कप जीतना मेरे करियर का सबसे बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी सपना था। सौभाग्य से मैंने पुर्तगाल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई खिताब जीते, लेकिन अपने देश का नाम दुनिया में सबसे ऊंचे पायदान पर लाना मेरा सबसे बड़ा सपना था। मैं इसके लिए लड़ा। इस सपने के लिए कड़ा संघर्ष

किया। १६ वर्षों में विश्व कप के पांच संस्करणों में मैंने हमेशा महान खिलाड़ियों के साथ और उनके समर्थन और लाखों पुर्तगालियों द्वारा समर्थन में खेला। मैंने टीम के लिए अपना सब कुछ मैदान पर न्योछावर कर दिया। मैंने हमेशा लड़ाई की और उससे मुंह नहीं मोड़ा। अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा। अफसोस कल सपना टूट गया।



फ्रांस-क्रोएशिया ने एकसाथ सेमीफाइनल में जगह बनाकर रचा इतिहास

दोहा : फीफा विश्व कप के ९२ साल के इतिहास में ऐसा संयोग सिर्फ एक बार बना है, जब पिछली बार की फाइनलिस्ट टीमों ने एक साथ विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया या टॉप चार टीमों में स्थान बनाया है। गत विजेता फ्रांस और उपविजेता क्रोएशिया दोनों इस बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले ऐसा ३२ साल पहले हुआ था जब १९८६ की विजेता अर्जेंटीना और उपविजेता पश्चिम जर्मनी ने १९९० के विश्व कप में एक साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यही नहीं उस दौरान इन दोनों टीमों ने फाइनल में भी जगह बनाई, जहां दिग्गज लोमार मथायस की कप्तानी में पश्चिम जर्मनी ने महान डिएगो माराडोना की अगुवाई वाली अर्जेंटीना को १-० से हराकर न सिर्फ खिताब जीता बल्कि १९८६ के फाइनल की हार का बदला भी ले लिया।

फ्रांस-क्रोएशिया के सामने

पिछले ३२ साल में पहली बार हुआ ऐसा
१९९० की उपलब्धि दोहराने की चुनौती यह किसी आश्चर्य से कम नहीं है कि फीफा विश्व कप के इतिहास में पिछली बार की फाइनलिस्ट टीमों के अगले विश्व कप में एक साथ सेमीफाइनल में पहुंचने का यह सिर्फ दूसरा मौका है। ऐसे में देखने वाली बात यह होगी कि फ्रांस और क्रोएशिया इस बार भी फाइनल में पहुंचने की उपलब्धि हासिल कर पाती हैं या नहीं। पिछली बार १९९० में जब ऐसा हुआ तब अर्जेंटीना और पश्चिम जर्मनी ने फाइनल में प्रवेश किया। १९८६ के फाइनल में माराडोना की अगुवाई में अर्जेंटीना ने पश्चिम जर्मनी को ३-२ से हराया था, लेकिन १९९० के फाइनल में पश्चिम जर्मनी ने अर्जेंटीना को आंध्रियास ब्रेहमे की गोल की बदौलत हराया। अब तक पांच टीमों ही लगातार

दो विश्व कप के फाइनल में पहुंची हैं। वहीं फ्रांस और क्रोएशिया के सामने लगातार दो विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाली छठी और सातवीं टीम बनने का मौका है। अब तक पांच टीमों इटली (१९३४, १९३८ दोनों बार विजेता), ब्राजील (१९५८, १९६२ दोनों बार विजेता), नीदरलैंड (१९७४, १९७८ दोनों बार उपविजेता), पश्चिम जर्मनी (१९८२, ८६ दोनों बार उपविजेता, १९९० विजेता), अर्जेंटीना (१९८६ विजेता, १९९० उपविजेता), ब्राजील (१९९४ विजेता, १९९८ उपविजेता, २००२ विजेता) ही यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इनमें ब्राजील और जर्मनी ऐसी दो टीमों जो लगातार तीन विश्व कप के फाइनल में पहुंची हैं। नीदरलैंड ही एकमात्र टीम है जो लगातार दो बार फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों बार उसे हार का सामना करना पड़ा।

अपर्णा धूवारे को मास्टर एथलीट एवं गोला फेक स्पर्धा में स्वर्ण पदक

बैतूल : राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयन, बैतूल की होनहार अपर्णा धूवारे द्वारा भोपाल में आयोजित मास्टर एथलीट प्रतियोगिता में भाग लेकर इन्होंने ५ किलोमीटर स्

वाक में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। साथ ही गोला फेक स्पर्धा में स्वर्ण पदक प्राप्त किया एवं इनका कोलकाता राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

